प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

RNI-UPHIN/2023/85053

INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
DAVP-: 134220

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-3 | अंक-33 | मथुरा, रविवार, 30 मार्च 2025 | पेज-12 | 5 रुपया | wwwÜfacebookÜcom/uniquesamay | twitterÜcom/Theuniquesamay | wwwÜlinkedinÜcom/in/uniquesamay

प्रथम पुण्यतिथि

स्व. श्री कृष्ण कुमार अरोड़ा जी

(चेयरमैन गिरिराज ग्रुप)

आपकी कमी कोई पूरी नहीं कर सकता,
आपकी यादें हर पल हमारे साथ रहेंगी।

आज आपकी प्रथम पुण्यतिथि पर हम सभी परिवारीजन
अपने अश्रुपूरित नेत्रों से आपको श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं।
आपकी सरलता, स्नेहमयी स्वभाव तथा आपका कर्मयोगी जीवन सदा हमारे प्रेरणा-स्त्रोत बने रहेंगे।
हम आपके द्वारा प्रदर्शित सत्यनिष्ठा के पथ पर सदैव चलने का संकल्प लेते हैं।

श्रद्धानवत

श्रीमती मधु अरोड़ा (पत्नी)
कुलदीप-मीनू अरोड़ा (पुत्र-पुत्रवधू) संदीप-ज्योति अरोड़ा (पुत्र-पुत्रवधू)
सारिका-अजय वाधवा (पुत्री-दामाद) कृति-जागृत अरोड़ा (पौत्री-पौत्री दामाद)
आयुष, कुशाग्री, श्रेया (पौत्र-पौत्री) श्रीमती बृजलता अरोड़ा (भाभी) ललित-बीना अरोड़ा (भाई-भाभी)

प्रतिष्ठान

- गिरिराज ग्रुप ऑफ कम्पनीज
- कुलदीप अरोड़ा एण्ड एसोसिएट्स
- गिरिराज फॉइल्स प्रा. लि.

INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

सांध्य दैनिक
यूनिक समय

RNI-UPHIN/2023/85053

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
DAVP-: 134220

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-3 | अंक-33 | मथुरा, रविवार, 30 मार्च 2025 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | twitter.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

जेपी यमुना एक्सप्रेस वे बिकने की कगार पर

अर्श से फर्श की ओर जेपी ग्रुप

राजकुमार गौतम

यूनिक समय, नई दिल्ली। कॉरपोरेट जगत की एक खबर ने सभी को सोचने को विवश कर दिया। कब क्या हो जाए। खबर मिल रही हैं कि जेपी एसोसिएट्स अब अर्श से फर्श पर आने वाला है। सीमेंट, रिपत एस्टेट, पावर जैसे सेक्टरों से जुड़ी नोएडा की कंपनी जयप्रकाश (जेपी) एसोसिएट्स यानी जेएएल दिवालिया प्रक्रिया का सामना कर रही है। मीडिया में सुर्खियां बन रही खबर के अनुसार इसे खरीदने के लिए कई कंपनियों ने बोली लगाई है। चर्चा है कि अदाणी ग्रुप जेपी एसोसिएट्स को खरीद सकता है। बोली लगाने वाले अदाणी ग्रुप की बोली सबसे अधिक है। इसने 20-22 हजार करोड़ रुपए की बोली लगाई है। जेपी एसोसिएट्स के अधिग्रहण से अदाणी ग्रुप का पोर्टफोलियो और अधिक मजबूत होगा। खास तौर पर सीमेंट और पावर सेक्टर में इसकी बाजार हिस्सेदारी बढ़ेगी। 2024 में जेपी एसोसिएट्स का मामला बैंकरप्सी कोर्ट में गया था। लेनदारों ने आईबीसी (दिवालिया संहिता) के तहत 57,185 करोड़ रुपए का दावा किया है। जेपी ग्रुप की एक दर्जन से

ज्यादा सेक्टरों में 19 कंपनियां हैं। लेकिन हाल ही में एनसीएलटी ने एक आदेश में कहा है कि जेएएल को एक सिंगल यूनिट के रूप में बेचा जाना चाहिए। जानकारी मिल रही है कि वित्त वर्ष 2023-24 में जेएएल के टर्नओवर में रियल एस्टेट का योगदान 14% था। इसमें ग्रेटर नोएडा में जेपी ग्रीन्स, नोएडा में जेपी ग्रीन्स विशठाउन और जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास जेपी इंटरनेशनल स्पोर्ट्स सिटी जैसे महत्वपूर्ण डेवलपमेंट प्रोजेक्ट शामिल हैं। कंपनी के पास मध्य प्रदेश में 4 सीमेंट प्लांट और लीज पर ली गई चूना पत्थर की कुछ खदानें हैं। जेएएस को कुल सीमेंट और कैप्टिव थर्मल पावर क्षमता सालाना 51.5 लाख टन है। कंपनी के पास दिल्ली–एनसीआर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में 3 कमर्शिंगाल

कॉरपोरेट जगत में बढ़ी हलचल

जेपी एसोसिएट्स की हालत खस्ता

नोएडा से आगरा तक एक्सप्रेस वे भी बनाया था

और इंडस्ट्रियल ऑफिस स्पेस भी हैं। कंपनी के होटल एंड हॉस्पिटेलिटी डिवीजन के पास दिल्ली–एनसीआर, मसूरी और आगरा जैसे शहरों में 5 बड़ी प्रॉपर्टी हैं। जेएएल ने जयप्रकाश चवर वेंचर्स लिमिटेड, यमुना एक्सप्रेसवे टीलिंग लिमिटेड, जेपी इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट लिमिटेड और कई अन्य कंपनियों में निवेश किया हुआ है। भिलाई जेपी सीमेंट, गुजरात जेपी सीमेंट एंड इंफ्र हिमालयपुत्र एविएशन, जेपी अरुणाचल पावर, जेपी असम सीमेंट्स, नेपी फर्टिलाइजर्स एंड इंडस्ट्रीज, जेपी इंफ्राटेक, जेपी पावरग्रिड, जयप्रकाश एयी इनिशिएटिव्स कंपनी, संगम पावर जनरेशन कंपनी, बोकारो जेपी सीमेंट, हिमालय एक्सप्रेसवे, जयप्रकाश पावर बेंचर्स, जेपी आगरा विकास लि., जेपी सीमेंट कॉर्प, जेपी गंगा इंफ्रास्ट्रक्चर कॉर्प, जेपी मेघालय पत्र, जेपी स्पोर्ट्स इंटरनेशनल और प्रयागराज पावर जनरेशन कंपनी जैसी इन डेढ़ दर्जन से कंपनियों पर नियंत्रण की कवायद हो रही है।

अदाणी ग्रुप ही नहीं, दो दर्जन से ज्यादा कंपनियां जेएएल को खरीदने में दिलचस्पी दिखा रही हैं। इनमें जेएसडब्ल्यू ग्रुप, वेलस्पन, वेदांता, ओबेरॉय रियल्टी, डालमिया भारत और ओकट्री कैपिटल शामिल हैं। इसके लिए एक्सप्रेशन ऑफ इंटेस्ट जमा करने की अंतिम तारीख 25 मार्च थी। बैंक अधिकारियों के मुताबिक, शुरुआती प्रतिक्रिया जबरदस्त है, लेकिन 26 दावेदारों में से कुछ ही कंपनियां अंतिम चरण में बोलियां जमा कर सकती हैं। गौरतलब है जेपी ग्रुप के मालिक जयप्रकाश ने इंजीनियर बनकर एक सपना देखा, जो उन्होंने अपने मेहनत और लग्न के बलबूते पूरा कर लिया, लेकिन अब क्या से क्या हो चला। शायद उन्होंने कल्पना नहीं की होगी।

रोगियों की जिंदगी से खिलवाड़

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। यदि आप बीपी, अस्थमा के साथ कई रोगों से मुक्ति के लिए दवा खरीद रहे हैं तो सावधान हो जाइए। वजह है कि देशभर में बीपी, अस्थमा समेत 103 दवाएं अधोमानक मिली हैं। मार्च माह में जारी ड्रग अलर्ट में इसका खुलासा हुआ है। कहीं ऐसा तो नहीं कि अधोमानक दवा मथुरा जिले में तो नहीं बिक रही। यदि ऐसा है तो रोगियों की जिंदगी के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। दवा की गुणवत्ता पर नजर रखने वाली केंद्र और राज्य की एजेंसियों ने दवाओं के नमूने लेकर जांच के लिए भेजे थे। इन दवाओं के नमूने फेल हुए हैं, उनमें एसबीएस बायोटेक की मानसिक रोग की पेलोपरीडोल, श्रीबी हेल्थकेयर का खराश का प्रेसकप एसपी, हेल्थ बायोटेक की ब्रुपीवाकेन, पुष्कर फार्मा की दिल के दौरे की दवा फिनाइटोईन, वी लेबोरेट्री की संक्रमण की दवा लाइन जोलिड, विंग्स फार्मा की टांसिल की

बीपी, अस्थमा की दवा समेत कई दवाओं के सैंपल फेल

दवाओं को बाजार से वापस लेने के लिए कंपनियों को नोटिस देंगे

नोरफ्लोक्सासीन, जी लेबोरेट्री की ओमक्सीसिलिन, फार्मासिट हेल्थ केयर व ऑरिसन फार्मा की उच्च रक्तचाप की दवा टेलमीसार्टन के सैंपल भी शामिल हैं। इसके अलावा, खांसी की दवा एम्रोक्स सिरप, शुगर की दवा ग्लीमी एमएन के दो सैंपल, हिल्लर लैब की बुखार की दवा पेरासिटामोल के सैंपल भी जांच में फेल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि कंपनियों को इन दवाओं को बाजार से वापस लेने के लिए नोटिस भेजा जाएगा।

नवरात्र में कन्या जन्म पर कई परिवारों में खुशी

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। नवसंवत्सर के पहले दिन चैत्र की नवरात्रि के पहले दिन जिन घरों में कन्या ने जन्म लिया, उन परिवारों में खुशियां नजर आई। परिवार के सदस्य बोले. हमारी घर तो कन्या स्वरूप में देवी आई है। महर्षि दयानंद सरस्वती जिला चिकित्सालय समेत अन्य निजी हॉस्पिटलों में कई महिलाओं ने बेटी (कन्या) को जन्म दिया। गोदी में लेते हुए पिता, दादी और बाबा समेत अन्य लोगों के चेहरों पर खुशी नजर आई। कई परिवारों ने पहले दिन मां दुर्गा का शुक्रिया अदा किया। अब कई महिलाएं भी नवरात्र में ऐसी खबर सुनने के लिए इंतजार कर रही हैं। नवरात्र में उनके घर में भी कन्या का जन्म हो। वैसे आज सुबह कई परिवारों में कन्या पूजन कर दुर्गा सप्तशती का पाठ शुरू किया गया था।

वृंदावन के मंदिरों में श्रद्धालु उमड़े

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर, राधाबल्लभ लाल मंदिर, ठाकुर राधारमण मंदिर, निधिवन राज मंदिर समेत सभी प्राचीन मंदिरों में रविवार को श्रद्धालुओं की भीड़ बेहिसाब नजर आई। ऐसा प्रतीत हो रहा था कि गलियां छोटी पड़ गई। हर श्रद्धालु ने धक्का मुक्की करके आगे बढ़ने की कोशिश की और ठाकुरजी की एक झलक पाई। श्रद्धालुओं की कतार देखकर लग रहा था कि एक मंदिर में दर्शन करने के बाद दूसरे मंदिर जा रहे थे। भीड़ के कारण बाजारों में रौनक सी दिखाई दे रही थी, लेकिन वह खरीदारी की नहीं थी, बल्कि दर्शन वालों की थी। वाहनों की आवाजाही के कारण कई जगह जाम की स्थिति नजर आई।

लूट की योजना बनाते चार आरोपी गिरफ्तार

यूनिक समय, कोसीकलां। पुलिस ने अवैध हथियार, कारतूस, चोरी की दो बाइक, लाल मिर्च के दो पैकेट के साथ चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी लूट की वारदात को अंजाम देने की योजना बना रहे थे। सीओ छाता आशीष शर्मा ने बताया कि कोसीकलां पुलिस की सतर्कता से चार आरोपियों को रविवार की दोपहर लूट की वारदात को अंजाम देने से पहले ही शामकेन फैक्ट्री के पीछे, हताना रोड पर बने टूटे-फूटे कमरे व टीन शेड से पकड़ लिया। पकड़े गए आरोपियों ने अपने नाम दिलीप पुत्र भजनलाल, निवासी मिर्जापुर, थाना

दो बाइक, दो तंमचा, पांच कारतूस, दो पैकेट लाल मिर्च पाउडर बरामद

हाईवे मथुरा, विजय पुत्र सुरेशचन्द, निवासी नौ बीसा, सौंख थाना मगोर्रा, पंकज उर्फ पंखू पुत्र बाबूलाल, निवासी मोहनपुर अडूकी, थाना हाईवे मथुरा, विपिन नौहवार पुत्र जगदीश सिंह निवासी पारसोली, थाना नौहझील बताया।

आरोपियों ने बताया कि वह लोग पशु पैंठ में आने वाले लोगों के आंखों में मिर्च पाउडर डालकर लूट की योजना बना रहे थे।

आस्था | **पदयात्रा मार्ग में रात को सजाई फूलों से सड़क**

जन्मोत्सव पर संत प्रेमानंद की एक झलक पाने पहुंचे भक्त

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। संत प्रेमानंद महाराज को जन्मोत्सव की बधाई देने के लिए बड़ी संख्या में लोग रात्रि को पदयात्रा के रास्ते में खड़े हो गए। भक्तों ने आधी रात के बाद महाराज श्री के पदयात्रा वाले रास्ते को फूलों और रंगों की रंगोली से सजा दिया था। आतिशबाजी भी की। जन्मोत्सव पर भक्तों का सैलाब राधे–राधे नाम का कीर्तन करते हुए भक्ति भाव में डूबा नजर आया। गौरतलब है कि संत प्रेमानंद महाराज ने श्रीकृष्णा शरणमं सोसायटी से मध्य रात्रि के बाद करीब दो बजे अपनी

संत प्रेमानंद महाराज के जन्मोत्सव पर एक भक्त द्वारा सजाई प्रेमानंद की झांकी का नजारा।

पदयात्रा शुरू की और लगभग दो किलोमीटर तक का सफर तय करते हुए रमणरेती स्थित केलीकुंज आश्रम तक गए। भक्तों ने उनके स्वागत में

हर किसी ने अपने अंदाज में किया स्वागत

कही फूलों के द्वार बनाए तो कहीं फूलों की रंगोली। विद्युत की रंग बिरंगी रोशनी से पूरा क्षेत्र जगमग हो रहा था। देखने वाली बात तो यह थी कि संत प्रेमानंद महाराज के आगे–आगे घोड़े और ऊंट चल रहे थे। महिलाएं सिर पर कलश लेकर चल रही थी। संत प्रेमानंद के दर्शन करने आए भक्तों को जहां जगह मिली, वह उसी स्थान पर जम गया। आस्था के कारण रात को ठंड भी बेअसर होती दिखाई दी।

गोकुल रेस्टोरेंट चौराहे पर पुलिस वाहनों से करती है अवैध वसूली

यूनिक समय, मथुरा। गोकुल रेस्टोरेंट चौराहे पर गाड़ियों का मनमाने तरीके से पुलिस द्वारा चालान करने के मामले की शिकायत गाड़ी मालिक ने की है। भूतेश्वर इलाके में रहने वाले मौहम्मद फरीद का कहना है कि गोकुल रेस्टोरेंट चौराहे पर तैनात ट्रैफिक पुलिसकर्मियों द्वारा वहां से गुजरने वाली गाड़ियों से चेकिंग के नाम पर अवैध वसूली की जा रही है। उनकी गाड़ी के भी पुलिसकर्मियों ने कागज दिखाने के लिए कहा।

गाड़ी के सभी कागज और चालक के पास ड्राइविंग लाइसेंस होने के बाद भी पुलिसकर्मियों ने उससे रुपये मांगे, न देने पर 2500 रुपये का चालान कर दिया। ट्रैफिक पुलिस ने इस तरह की अवैध वसूली के लिए वहां चाय के एक खोखा चलाने वाले को लेन–देन करने के लिए माध्यम बना रखा है।

गांजे के साथ एक गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। रिफाइनरी पुलिस ने एक अभियुक्त को नशीला पदार्थ के साथ गिरफ्तार किया है। रिफाइनरी थाना प्रभारी सोनू कुमार ने बताया कि पुलिस टीम ने भाहई गांव को जाने वाले बम्बे के रास्ते पर एक युवक को जाते हुए चेकिंग के लिए रोक लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से पुलिस को 12 किलो 300 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने गांव भाहई निवासी निरंजन उर्फ छंगा उर्फ छोटू को एनडीपीएस एक्ट में गिरफ्तार कर लिया।

नवसंवत्सर पर बीएसए का शिक्षकों पर चला चाबुक

छात्राओं ने कहा गुरुजी करते हैं गलत टच

वीडियो वायरल होने पर बीएसए ने एक शिक्षक को किया निलम्बित

अभिभावक-प्रधान की दूसरी शिकायत में लगा है अभद्रता का आरोप

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। उच्च प्राथमिक विद्यालय जुनसुटी, विकास खण्ड मथुरा अध्ययनरत छात्राओं का एक वीडियो वायरल हो रहा है। व्हाट्सअप के माध्यम से बीएसए सुनील दत्त को प्राप्त हुआ है। इसमें अलग-अलग कक्षाओं की छात्राओं द्वारा सामूहिक रूप से विद्यालय में कार्यरत अध्यापक चन्द्रभान सिंह पर आरोप लगाया है। कहा जा रहा है कि चन्द्रभान सिंह छात्राओं को गलत तरह से टच करते हुए गले लगाने का प्रयास करते हैं। गन्दे / अश्लील शब्दों का प्रयोग करते हैं। इसका विरोध पिछले काफी समय से छात्राओं द्वारा करने पर भी शिक्षक अपनी इन गलत हरकतों को करने से नहीं मानते हैं। बीएसए ने शिक्षक चन्द्रभान सिंह को तत्काल प्रभाव से निलम्बित करते हुए कार्यालय खण्ड शिक्षा अधिकारी मथुरा में सम्बद्ध करने के आदेश दिए हैं। इस प्रकरण में खण्ड शिक्षा अधिकारी गोवर्धन एवं खण्ड शिक्षा अधिकारी मुख्यालय मथुरा की जांच समिति गठित करते हुए जांच अधिकारियों को निर्देशित किया जाता है कि सम्बन्धित अध्यापक को आरोप पत्र यथाशीघ्र जारी करते हुए जांच आख्या 15 दिवस में बीएसए कार्यालय को उपलब्ध करायें। दूसरी ओर बीएसए ने बताया कि इसी स्कूल के शिक्षक चंद्रभान सिंह व सर्वेश कुमार गौतम के व्यवहार से परेशान होकर एक दर्जन से अधिक ग्रामीणों और गांव प्रधान ने एक अन्य शिकायत भेजी है। इस पर बीएसए सुनील दत्त ने दोनों अध्यापक को कारण बताओ नोटिस जारी करके एक सप्ताह में स्पष्टीकरण मांगा है।

आंगनबाड़ी सहायिका से झगड़ने वाली शिक्षिका निलम्बित

यूनिक समय, मथुरा। प्राथमिक विद्यालय बहरावली ब्लॉक छाता में कार्यरत शिक्षिका द्वारा आंगनबाड़ी सहायिका के साथ अभद्र व्यवहार करने का वीडियो वायरल होने पर बीएसए सुनील दत्त ने शिक्षिका को निलंबित कर दिया है।

वीडियो वायरल होने पर खंड शिक्षा अधिकारी छाता ने बीएसए को भेजी रिपोर्ट में कहा है कि विद्यालय की शिक्षिका श्रीमती प्रिया तिवारी की एक वीडियो वायरल हो रही है जिसे देखकर स्पष्ट है कि प्राथमिक विद्यालय बहरावली में कार्यरत श्रीमती प्रिया तिवारी ने आंगनबाड़ी सहायिका श्रीमती चन्द्रावली को गाली देकर झगड़ा शुरू किया। जिससे विद्यालय में मारपीट की स्थिति उत्पन्न हुई। शिक्षिका के इस आचरण से विद्यालय का शैक्षिक वातावरण दूषित होने के साथ-साथ विभाग की छवि भी धूमिल हुई है। इससे पहले भी शिक्षिका श्रीमती प्रिया तिवारी दूसरी शिक्षिका श्रीमती पदमावती से भी आए दिन झगड़ा किया जाता था। बीएसए ने वायरल वीडियो एवं खण्ड शिक्षा अधिकारी विकास खंड छाता की रिपोर्ट के आधार पर शिक्षिका श्रीमती प्रिया तिवारी को तत्काल प्रभाव से निलम्बित करते हुए कार्यालय खण्ड शिक्षा अधिकारी छाता में सम्बद्ध कर दिया है। इस प्रकरण की जांच खण्ड शिक्षा अधिकारी गोवर्धन एवं खण्ड शिक्षा अधिकारी मुख्यालय मथुरा की संयुक्त समिति को सौंपते हुए निर्देश दिए हैं कि सम्बन्धित अध्यापक को आरोप पत्र यथाशीघ्र जारी करते हुए जांच आख्या 15 दिवस में उनके कार्यालय में उपलब्ध करायें।

बेसिक के विद्यालयों में एक ही खर्चे का दो बार ऑडिट

ऑडिट टीम के पास उपस्थित नहीं होने पर प्रधानाध्यापकों का बीएसए ने रोका वेतन

यूनिक समय, मथुरा। समग्र शिक्षा (प्रारम्भिक शिक्षा) के लिए वित्तीय वर्ष 2023-24 का सी.ए. फर्म एमएनवाई एण्ड कम्पनी के चार्टर्ड एकाउंटेंट द्वारा सभी ब्लॉकों के बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों का ऑडिट पुनः कराया जा रहा है। इससे शिक्षकों की परेशानी वित्तीय वर्ष के समापन पर बढ़ रही है। शिक्षकों का कहना है कि एक ओर तो उनको बच्चों का वार्षिक परीक्षा परिणाम जारी करना है और दूसरी ओर पीएफएमएस भुगतान और साथी शिक्षकों के विदाई समारोह में भाग लेने जाना है। ऐसी स्थिति में कैसे वे पुराने खर्चों का ऑडिट पुनः करायें। इसका ऑडिट दिसम्बर में जब हो गया तब मार्च में ऑडिट की क्या आवश्यकता है।

विगत चार पांच दिनों से जनपद के प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में चार्टर्ड एकाउंटेट द्वारा ब्लॉक संसाधन केन्द्रों पर ऑडिट का कार्य चल रहा है। फरह व मथुरा ब्लॉक के विद्यालयों के प्रधानाचार्यों ने अपनी तिथि पर ऑडिट नहीं कराया और न ही ऑडिट दल के समक्ष कोई भी विद्यालय प्रभारी उपस्थित हुआ। इस पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने कहा कि ऑडिट नहीं कराये जाने से ऐसा प्रतीत होता है कि ऑडिट को गंम्भीरता से प्रधानाध्यापकों और इंचार्ज द्वारा नहीं लिया जा रहा है, जो राज्य परियोजना कार्यालय के निर्देशों का उल्लंघन है। विद्यालयों का उपभोग प्रमाणित न हो पाने के कारण जिला परियोजना कार्यालय की बैलेंस सीट भी पूर्ण नहीं हो पा रही है। इस पर सहायक वित्त एवं लेखाधिकारी और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए शिक्षकों से कहा कि वे टीम के सामने उपस्थित होकर अपने विद्यालय का ऑडिट अवश्य करा दें। उन्होंने सभी प्रधानाध्यापकों को अन्तिम चेतावनी देते हुए निर्देशित किया है कि यदि विद्यालय प्रबन्ध समिति से सम्बन्धित समस्त अभिलेख यथा कैशबुक लेजर, गार्ड फ्याल, स्टॉक रजिस्टर, अपडेटेड बैंक पासबुक (छायाप्रति सहित) एवं प्राप्त धनराशि उपभोग प्रमाण पत्र सहित प्रस्तावित तिथियों पर ऑडिट दल के सामने प्रस्तुत नहीं होते है सम्बन्धित प्रधानाचार्य / प्रभारी का वेतन अग्रिम आदेश तक अवरुद्ध किया जायेगा।

गोवर्धन और वृंदावन के वन शीघ्र होंगे पुनर्जीवित

50 हेक्टेयर भूमि पर होगा पौधारोपण

यूनिक समय, मथुरा। भगवान श्रीकृष्ण की जन्मस्थली ब्रजभूमि में वन क्षेत्र के पुनर्वास और पर्यावरण संरक्षण के लिए वन विभाग द्वारा महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। शासन से 6 करोड़ रुपये की मांग में से 3 करोड़ रुपये की राशि का आवंटन किया गया है, जिसका उपयोग वृंदावन, सुनरख, अहिल्यागढ़ और गोवर्धन क्षेत्र में करीब 50 हेक्टेयर भूमि पर पौधारोपण के लिए किया जाएगा। डीएफओ रजनीकांत मित्तल ने बताया कि इन क्षेत्रों में देशी वृक्षों का पुनर्वास किया जाएगा। यह पौधारोपण विशेष रूप से चौड़े पत्तों वाली स्थानीय प्रजातियों जैसे शीशम, कदम, पीपल, बरगद, आंवला, इमली, सहजन, बहेड़ और अन्य प्रजापति के पौधों का किया जाएगा। इस परियोजना के तहत विदेशी पौधों, जैसे विलायती बबूल, को हटाकर इन पौधों का रोपण किया जाएगा। श्री मित्तल ने कहा कि इस पुनर्वास परियोजना से न केवल पर्यावरणीय संतुलन स्थापित होगा, बल्कि ब्रज क्षेत्र की धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहर को भी सहेजा जाएगा। 36 प्राचीन वनों में देशी वृक्षों का रोपण किया जाएगा, जिससे यहां के पारंपरिक वन क्षेत्र का स्वरूप पुनः जीवित होगा और पर्यावरण के साथ-साथ धार्मिक महत्व भी बढ़ेगा। उन्होंने यह भी बताया कि ब्रजभूमि में हरियाली का होना आवश्यक है, क्योंकि यहां देश-विदेश से श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं, और यह क्षेत्र भगवान श्रीकृष्ण से जुड़ा हुआ है।

संस्कार विहीन व्यक्ति शून्य होता है: मोहित मराल

पश्चिमी संस्कृति के प्रभाव से भूले हिन्दू नववर्ष: बेबीरानी मौर्य

सेठ बीएनपोद्दार इंटर कॉलेज में आयोजित नवसंवतसर मेले को संबोधित करती प्रदेश की महिला कल्याण एवं बाल विकास मंत्री बेबीरानी मौर्य।

सेठ बीएनपोद्दार इंटर कॉलेज में आयोजित नवसंवत्सर मेले का शुभारंभ करते श्री राधा बल्लभ सम्प्रदाय के तिलक अधिकारी मोहित मराल महाराज तथा विधायक श्रीकांत शर्मा आदि।

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। नववर्ष मेला समिति के तत्वावधान में सेठ बीएन पोद्दार इंटर कॉलेज में आयोजित 24 वें नववर्ष मेला के समारोह में मुख्य अतिथि श्री राधावल्लभ संप्रदाय प्रधान पीठाधिपति तिलकायत अधिकारी गोस्वामी श्रीहित मोहित मराल महाराज ने चैत्र शुक्ल प्रतिपदा पर लोगों से अपने घरों पर पीला ध्वज फहराने का आह्वान किया। कलश एवं स्वास्तिक बनाकर इस दिन को त्यौहार की तरह मनाएं। संस्कार विहीन व्यक्ति शून्य होता है। यह हमारा धर्म है कि हम अपनी आने वाली पीढ़ी को संस्कार दें। जिससे सनातन संस्कृति भविष्य में उत्कृष्ट हो एवं भारत विश्व गुरु बने। विशिष्ट अतिथि महिला कल्याण एवं बाल विकास मंत्री बेबीरानी मौर्य ने कहा कि यह नवसंवत्सर हिंदुओं का नववर्ष है। यह सदियों से मनता आ रहा है। बीते कुछ समय में पश्चिमी संस्कृति के प्रभाव के कारण हम चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को भूलकर एक जनवरी को नववर्ष बनाने लगे थे। भारत विश्व गुरु तभी बनेगा जब हम देश की संस्कृति के लिए निरंतर कार्य करते रहेंगे। मंगलायतन यूनिवर्सिटी के कुलपति पीके कसोरा, जिला पंचायत अध्यक्ष किशन चौधरी एवं कार्यक्रम स्वागताध्यक्ष कल्यानदास अग्रवाल ने भी विचार व्यक्त किए। संचालन महामंत्री प्रदीप श्रीवास्तव ने किया। अध्यक्ष कमलेश अरोड़ा ने आभार जताया। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रांत कार्यवाह राजकुमार, राज्यसभा सदस्य चौ. तेजवीर सिंह, विधायक श्रीकांत शर्मा, पूरन प्रकाश, एमएलसी ठा.ओम प्रकाश सिंह, मेयर विनोद अग्रवाल, विभाग सह कार्यवाह संजय अग्रवाल, महानगर प्रचारक सचिन भारत, कार्यवाह विजय बंटा, भाजपा महानगर अध्यक्ष राजू यादव, एबीवीपी संगठन मंत्री दिव्यांशु पचौरी, यादवेंद्र अग्रवाल, डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह, योगेन्द्र शर्मा, डॉ दीपा अग्रवाल, योगेश आवा, मीडिया प्रभारी मुकेश शर्मा तथा तपेश भारद्वाज आदि उपस्थित थे।

मौसम के बदलाव से बाजारों में बढ़ने लगी रौनक

यूनिक समय, मथुरा। पिछले दो दिनों से मौसम के तापमान में संतुलन आने के कारण लोगों ने राहत ली है, अचानक बदले मौसम ने जहां पहले दोपहर में गर्मी पड़ना शुरू हो गयी थी। पिछले दो-तीन दिनों से दोपहर में ठंडी हवाओं के चलते लोग राहत महसूस कर रहे है। जनपद में पिछले सप्ताह काफी तेज धूप निकल रही थी। अचानक मौसम के बदलाव से दोपहर के समय में बाजारों में रौनक दिखाई दे रही है। मौसम में संतुलन आने से लोगों के चेहरों पर मुस्कान आ गयी है। लेकिन सुबह और सायं के वक्त मौसम तो ठंडा रहता है, लेकिन अब तो दोपहर के वक्त हवाओं के चलते वातावरण हल्का ठीक सा हो गया है। व्यापारियों का कहना है, कि मौसम के बदलाव के कारण बाजारों में रौनक बढ़ गयी है। अब लोग खरीदारी के लिए बाजारों में निकल रहे हैं।

छह फ्रिजर खराब होने से सड़ने लगे शव

मोर्चरी से उठती दुर्गंध से लोग परेशान

पोस्टमार्टम गृह पर आए मृतकों के परिवार के लोग दुर्गंध से बचने के लिए मास्क व नाक पर रुमाल लगाने को विवश।

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। पोस्टमार्टम गृह (मोर्चरी) में लगे 14 फ्रिजरों में से छह फ्रिजरों के खराब होने के कारण शवों से बुरी तरह दुर्गंध आ रही है। इस कारण यहां आने वाले मृतकों के परिवारिजनों को भारी दुर्गंध से दो चार होना पड़ रहा है, लेकिन अधिकारियों को इससे कोई सरोकार नहीं हैं। सेवार्थ संस्थान की ओर से मोर्चरी का संचालन किया जा रहा है। संस्थान ने पोस्टमार्टम के लिए आने वाले शवों को रखने के लिए आठ फ्रिजर लगा रखे हैं। छह फ्रिजर सरकारी है जिनकी देख रेख स्वास्थ्य विभाग द्वारा की जाती है। बताया गया कि मोरचरी में लावारिस शवों को 72 घंटे तक रखने का नियम है। उसकी वजह है कि तीन दिन के अंदर शव की शिनाख्त हो जाती है तो उसके परिवार के लोग शव का अंतिम संस्कार कर सकें। मोर्चरी में लगे सरकारी छह फ्रिजर खराब चल रहे हैं।

जानकारी करने पर पता लगा कि इसके चलते मोर्चरी में रखे जाने वाले शवों की संख्या अधिक होने के कारण उनको फ्रिजरों में न रख कर वहीं अलग रख दिया जाता है। इसके चलते शवों के सड़ने से तेज दुर्गंध निकलने लगती है।

इस दुर्गंध के चलते दूसरे शवों का पोस्टमार्टम कराने के लिए आने वाले परिवार के लोगों और पुलिस कर्मियों सहित अन्य लोगों को इस दुर्गंध से दो चार होना पड़ रहा है। अभी तो ठीक से गर्मी आई भी नहीं है, मोरचरी में रखे शवों से तेज दुर्गंध निकल रही है। अगर इसी तरह का हाल रहा तो गर्मियों में तो दुर्गंध का इससे भी बुरा हाल होगा।

चार दिन पहले मिले शव की हुई शिनाख्त

मृतक नेपाल का निकला बेंगलुरु में किसी कंपनी में करता था काम

यूनिक समय, मथुरा। कोसीकलां में चार दिन पहले रेलवे स्टेशन से मिले अज्ञात युवक की शिनाख्त उसके परिवार के लोगों ने आज मोर्चरी पर आकर की है। मृतक नेपाल का रहने वाला है और बेंगलुरु में किसी कंपनी में काम करता था। मोर्चरी पर आए नेपाल के लोगों ने बताया कि शव इतना खराब हो चुका है कि उसकी शिनाख्त केवल शरीर पर पहने कपड़ों से ही की गई। मृतक का नाम रत प्रसाद जोशी (35) था। वह बेंगलुरु में किसी कंपनी में नौकरी करता था। मूल रूप से वह गांव पानिका 5 हफथाना बजंग का रहने वाला है। वह बेंगलुरु से नेपाल के लिए जा रहा था। कोसीकलां रेलवे स्टेशन पर कैसे पुहंचा इसका उन्हें पता नहीं है। उसने गुरुवार को फोन से अपनी पत्नी से बातचीत की थी और कहा था कि वह भूखा है उसे चक्कर आ रहे हैं। खाना ले आना। इसके बाद उसका फोन बंद हो गया। पुलिस से मिली सूचना के बाद आज सभी लोग मथुरा आए हैं। उसकी मौत कैसे हुई इस बारे में उन्हें कोई जानकारी नहीं है।

एनएनएस शिविर का पौधारोपण के साथ समापन

यूनिक समय, वृंदावन। आईओपी महाविद्यालय में 'सात दिवसीय विशेष एनएसएस शिविर' के सातवें दिन 'समापन स्वयं सेवक व स्वयं सेविकाओं द्वारा पौधारोपण करके किया। कार्यक्रम अधिकारी हेमेंद्र कुमार ने बताया कि स्वयं सेवक व स्वयं सेविकाओं की ओर से किए गए क्रियाकलाप अपने जीवन में भी लागू कर लोगों को जागरूक करें।

आज का शब्द

"गूढ़"

क्या है गूढ़ शब्द!

अर्थः जो कठिन हो, जिसे समझना आसान न हो, गहरा या रहस्यमय।

उदाहरणः प्राचीन ग्रंथों में कई गूढ़ रहस्य छिपे हुए हैं।

गेहूं के खेतों में बढ़ती आग की घटनाओं से किसानों में आक्रोश

हर साल होती घटनाओं से भी नहीं लिया जा रहा कोई सबक

किसानों की मांग...लापरवाह अधिकारियों पर हो सख्त कार्रवाई

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। अब गेहूं की फसल पक कर तैयार है। कटाई का कार्य खेतों में प्रारंभ हो चुका है। ऐसे में कल जनपद के बरसाना और बलदेव थाना क्षेत्र के गांवों में 150 बीघा गेहूं की फसल विद्युत तारों में निकली चिंगारी से जलकर राख हो गई। किसानों की पूंजी उनकी खेतों में लहलहाती फसल होती है। इस समय खेतों में गेहूं की फसल पककर तैयार खड़ी है। खून पसीने से सींच कर तैयार हुई गेहूं की फसल को किसान सजोने की तैयारी में जुटा है।

ऐसे में गेहूं के खेतों में बढ़ती आग की घटनाएं चिंतित करने वाली हैं। इससे किसानों में आक्रोश है। भाकियू चढूनी मंडल अध्यक्ष रामवीर सिंह तोमर ने कहा कि किसान की आर्थिक स्थिति पहले से ही खराब है, कभी प्राकृतिक आपदा किसान की कमर तोड़ देती है, तो कभी सिस्टम की लापरवाही। हर साल होती घटनाओं से भी कोई सबक नहीं लिया जाता। जरा सी तेज हवाएं चलने से जर्जर लाइनों के ढीले तारों के आपस में टकराने से लगी चिंगारी से किसानों के खून पसीने की गाढ़ी कमाई पल भर में राख में तब्दील हो जाती है। हथकौली के किसान रमेश चंद्र सिकरवार, नगला लोका के हीरो काका, आंगई के मेहताब सिंह नेताजी, बरौली के हरिपाल सिंह परिहार, श्याम सिंह, जादोपुर के पंचम सिंह, दघेंटा के किसान कुंतभोज, ओमवीर सिंह, सैदपुर के गुड्डू सरपंच आदि ने कहा है कि खेतों में गेहूं की फसल सूखकर खड़ी है। इसमें तनिक सी भी चिंगारी बारूद का काम करती है। बिजली विभाग मेंटेनेंस के नाम पर खाना पूर्ति करता है। अधिकारी किसान समस्याओं को लेकर संवेदनशील नहीं हैं। गर्मियों से पहले जर्जर लाइनों को बदलने, खराब, टूटे इंसुलेटरों को बदलने एवं ढीले तारों एवं तारों के ऊपर पेड़ों की टहनियों को काटने के लिए बार बार कहने के बाद भी जिम्मेदार अधिकारियों पर कोई फर्क नहीं पड़ रहा।

सरकार को चाहिए कि जिस क्षेत्र में इस तरह की घटनाएं हों उन लापरवाह अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई कर उनकी तनख्वाह काट कर किसानों को मुआवजा दिया जाए। सभी ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि पीड़ित किसान को तत्काल पचास हजार रुपए एकड़ मुआवजा दिया जाए।

राया में निकली माता मनकामेश्वरी की शोभायात्रा

यूनिक समय, राया (मथुरा)। गणेशबाग स्थित माता मनकामेश्वरी देवी की शोभायात्रा शनिवार की सायं पूजा के साथ निकाली गयी। जगह जगह भक्तों ने भोग लगाकर शोभायात्रा का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। कार्यक्रम का शुभारंभ चेयरमैन राजकुमार अग्रवाल ने आरती उतारकर किया।

शोभायात्रा के साथ ही चैत्र नवरात्रि मेला का शुभारंभ हो गया। शोभायात्रा में समिति अध्यक्ष विशाल पाराशर, मनोज नागर, भूपेश अग्रवाल, अरविंद शर्मा, अभिषेक पाराशर, ललितमोहन गुप्ता, योगेश शर्मा एवं मनोज वार्ष्णेय आदि शामिल थे।

शिक्षक पूरे देश में मनाएंगे कल काला दिवस

ओल्ड पेंशन स्कीम की मांग को लेकर करेंगे कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन

यूनिक समय, मथुरा। नेशनल मूवमेंट फॉर ओल्ड पेंशन स्कीम (एनएमओपीएस) तथा ऑल टीचर्स एंप्लॉयज वेलफेयर एसोसिएशन (अटेवा) के आह्वान पर पूरे देश में एक अप्रैल को काला दिवस मनाया जाएगा। साथ ही शिक्षक कर्मचारी हाथों में काली पट्टी बांधकर कल अपराह्न तीन बजे जनपद के शिक्षक कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रदर्शन करते हुए जिलाधिकारी को ज्ञापन देंगे। यह जानकारी देते हुए अटेवा की जिलाध्यक्ष प्रदीपिका फौजदार ने कहा कि एक अप्रैल 2004 को पुरानी पेंशन को समाप्त कर उसके स्थान पर शेयर मार्केट आधारित नई पेंशन स्कीम नेशनल पेंशन सिस्टम लागू की गई थी। इसके विरोध में शिक्षक-कर्मचारी अधिकारी कई वर्षों से पुरानी पेंशन बहाली के लिए आंदोलनरत हैं। उन्होंने कहा कि एनएमओपीएस के राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा अटेवा के प्रदेश अध्यक्ष विजय कुमार बंधु ने समस्त शिक्षक तथा कर्मचारियों से आह्वान किया है कि 1 अप्रैल को पुरानी पेंशन बहाली के लिए तथा एनपीएस और यूपीएस का विरोध दर्ज कराते हुए काला दिवस मनाएं। प्रदेश आईटी सेल प्रभारी प्रमोद पट, जिला संरक्षक शैलेन्द्र यादव तथा उपाध्यक्ष कप्तान सिंह ने कहा पूरे देश में पुरानी पेंशन बहाली तक संघर्ष के लिए सभी शिक्षक कर्मचारी प्रतिबद्ध है। मीडिया प्रभारी मनीष दयाल ने बताया कि एक अप्रैल को अपराह्न 3:00 बजे प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन जिलाधिकारी को दिया जाएगा।

इंटर की 11140 उत्तरपुस्तिकाओं की हुई जांच

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की हाल में समाप्त हुई हाईस्कूल एवं इंटर मीडिएट की बोर्ड परीक्षाओं की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन रविवार को भी जारी रहा। आज सिर्फ एक मूल्यांकन केन्द्र पर 11140 इंटर मीडिएट उत्तर पुस्तिकाओं की जांच हुई। जिला विद्यालय निरीक्षक रवीन्द्र सिंह ने बताया कि वीडीपी राजकीय इंटर कॉलेज पर इंटरमीडिएट की 11140 उत्तर पुस्तिकाओं की जांच 159 परीक्षकों ने की। उन्होंने बताया कि जनपद में अब तक हाईस्कूल की 201630 और इंटर मीडिएट की 201914 उत्तर पुस्तिकाओं की जांच पूरी की जा चुकी है। अब इंटर मीडिएट की 27870 और हाईस्कूल की 14167 उत्तर पुस्तिकाओं की जनपद में जांच होने के लिए शेष रह गई हैं।

नवरात्र का पहला दिन

मां शैलपुत्री के रूप की ब्रजवासियों ने की पूजा

चामुंडा देवी मंदिर मलपुरा बगीची में माता चौमुंडा की पूजा करती महिला भक्त।

गायत्री तपोभूमि के सामने गली में स्थित चामुंडा देवी मंदिर में पूजा करती महिला भक्त।

देवी मंदिरों में दर्शन के लिए पहुंचे श्रद्धालु

कोसीकलां में निकली मां शैलपुत्री की शोभायात्रा

वरिष्ठ संवाददाता

गायत्री तपोभूमि के सामने गली में स्थित चामुंडा देवी मंदिर में मां का फूलों से सजा दरबार।

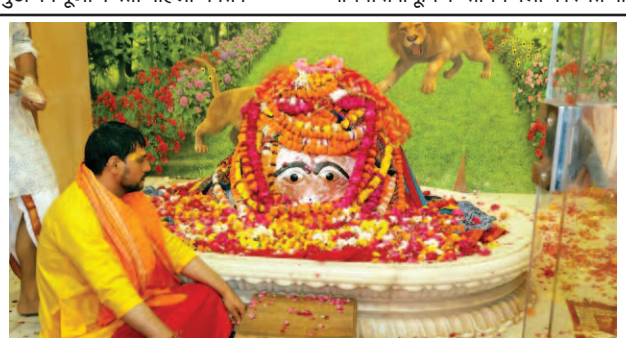

यूनिक समय, मथुरा। नवरात्रि के पहले दिन मथुरा समेत समूची ब्रज भूमि में मां शैलपुत्री का पूजन करने के लिए ब्रजवासियों का मंदिरों में तांता लग गया। सभी भक्तों ने मां शैल पुत्री से अच्छे स्वास्थ्य और मान सम्मान की कामना की प्रार्थना की। रविवार को नवरात्रि के पहले दिन मथुरा महानगर के प्रमुख देवी मंदिर कैंट काली देवी मंदिर, पुराने बस अड्डे पर बगुला मुखी मंदिर, रंगेश्वर देवी मंदिर, कंकाली देवी मंदिर, महाविद्या देवी मंदिर, चामुंडा देवी मंदिर असकुंडा देवी मंदिर, नरहौली में मां वैष्णो देवी मंदिर में सुबह से ही महिला और पुरुष श्रद्धालुओं ने माता के पहले स्वरूप शैलपुत्री की पूजा की। महिलाएं देवी के भजन गाते हुए समूहों में पूजा अर्चना के लिए मार्गों में जाती हुई दिखाई दी। इस मौके पर पुलिस प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था के लिए पर्याप्त इंतजाम किए गए। सबसे पहले घरों में घट स्थापित करके भक्तों ने मां की ज्योति जलाई। नरी सेमरी, सांचौली देवी मंदिरों में जात लगाने के लिए पहुंचे लोगों ने अपने बच्चों के मुंडन कराये। इसके अलावा जमुनापार स्थित चंद्रावली देवी मंदिर, बंदी आनंदी देवी मंदिर में भी प्रातः से ही पूजा अर्चना करने के लिए तांता लगा रहा। गोवर्धन स्थित मनसा देवी मंदिर में भक्तों ने पूजा अर्चना की।

कोसीकलां। मां पथवारी देवी मेला महोत्सव समिति के बैनर तले नवरात्रि के पहले दिन मां शैलपुत्री की शोभायात्रा निकाली गई। लोगों ने जगह-जगह आरती उतारकर स्वागत किया। थाना रोड स्थित लाला गयालाल स्मृति भवन से रविवार को प्रथम दिन निकाली मां शैलपुत्री की शोभायात्रा का आरती उतार कर झांकी को रवाना किया। नगर भ्रमण के दौरान झांकियों का शहरवासियों ने जगह–जगह पुष्प वर्षा कर, आरती उतार कर स्वागत किया। समूचा नगर मातामय हो गया। सभी झांकियां भ्रमण करती हुई पथवारी देवी मंदिर पर पहुंची। जहां फूल–बंगला में पथवारी माता के मां शैलपुत्री के रूप में श्रद्धालुओं को दर्शन दिए। रात्रि में रामलीला ग्राउंड पर रास मंडली द्वारा कृष्ण जन्मलीला का मंचन किया। इस मौके पर समाजसेवी कमल किशोर वार्ष्णेय, रामकिशन फालैनियां, सुरेशचंद शर्मा, किरोडीलाल टैन्ट वाले, अंकित जैन, श्याम बिहारी अगरारिया, वेदप्रकाश, विनोद जैन, सीए अंकुर गर्ग, प्रेमसिंह कोरी, मास्टर राजेंद्र, पुनीत सिंघल, भगवत मैथिल आदि उपस्थित थे।

एनके ग्रुप की संस्कार सिटी में चैत्र नवरात्र के दौरान स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमा के पास हवन पूजन करते जीएलए विश्वविद्यालय के सीएफओ विवेक अग्रवाल।

दुर्गा पूजा से नई अनुभूति का अहसास: विवेक अग्रवाल

चैत्र नवरात्र में प्रथम दिन संस्कार सिटी में स्थापित मां दुर्गा प्रतिमा की आरती करते जीएलए विश्वविद्यालय के सीएफओ विवेक अग्रवाल।

संस्कार सिटी में मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। एनके ग्रुप की संस्कार सिटी में चैत्र नवरात्र के दौरान स्थापित मां दुर्गा के पंडाल में पहले दिन मां शैलपुत्री स्वरूप की पूजा अर्चना की गई। पंडित प्रदीप मिश्रा ने वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य जीएलए विश्वविद्यालय के सीएफओ एवं एनके ग्रुप के निदेशक विवेक अग्रवाल से पूजा कराई। पूरा पंडाल मां दुर्गा के जय–जयकार से गुंजायमान होता रहा। श्री अग्रवाल ने कहा कि नवसंवत्सर हिंदुओं के नव वर्ष की शुरुआत है। इसी नव वर्ष के पहले दिन से नौ दिन की मां के नौ स्वरूपों की पूजा अर्चना से मन के अंदर एक नई अनुभूति का अहसास होता है। ऐसा लगता है कि मां की कृपा बरस रही है। उन्होंने सभी लोगों पर आशीर्वाद बनाए रखने के लिए मां से प्रार्थना की है। इस मौके पर देवेन्द्र, पुरोहित, मनोज, गीतू, अर्चना, मेघा, संध्या, प्रियंका, उमाशंकर, श्याम, राहुल, आकाश, निखिल, दीक्षा, विश्वनाथ, टीनू तथा खिमिश आदि उपस्थित थे।

हवन यज्ञ के साथ हिन्दू नववर्ष का आगाज

यूनिक समय, कोसीकलां। नंदगांव रोड स्थित शिव मंदिर पर पञ्च यज्ञ प्रचारिणी सभा के संस्थापक आचार्य विवेक उपाध्याय के ब्रह्मत्व में हिंदू नववर्ष पर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन–यज्ञ किया। मुख्य अतिथि मैथिल ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामदेव भारद्वाज ने बताया इस दिन चैत्र नवरात्र की शुरुआत होती है। इस अवसर पर अध्यक्ष योगेश धानोतिया, मंत्री राजपाल शर्मा, कन्हैयालाल मंगला, यजमान पवन कुमार, मीडिया प्रभारी पंडित भारत शर्मा, गौरव गोयल तथा सीके मीणा आदि उपस्थित थे।

नरी सेमरी देवी मेला शुरू

कल होगी आगरा वालों की चमत्कारिक आरती

संवाददाता

यूनिक समय, छाता (मथुरा)। ब्रज क्षेत्र के गांव सेमरी में लगने वाले सबसे बड़े नरी सेमरी देवी मेले का शुभारंभ रविवार को देवी मां आरती के साथ हुआ। पहले दिन हजारों श्रद्धालुओं ने देवी के दरबार में आकर हाजिरी लगाई। पूजा अर्चना कर मनौतियां मांगी। यहां आगरा वालों की तीज की चमत्कारिक आरती कल सायं को होगी। मंदिर के पुजारी सत्यपाल सिंह ने बताया कि रविवार को चैत्र मास के प्रथम नवरात्र पर मेले का शुभारंभ देवी मैया की पूजा आरती के साथ किया। देवी के दर्शन के लिए सुबह पांच बजे से ही भक्तों का सैलाब उमड़ने लगा। वही पुजारी राम कुमार ने बताया कि दोज व तीज एक ही दिन की हो जाने की वजह से आगरा वालों की तीज की चमत्कारिक आरती कल (सोमवार) को सायं 7.30 बजे होगी। एसपी देहात त्रिगुण विषेन ने मेले की तैयारियों का निरीक्षण किया। उन्होंने सभी व्यवस्था को सुचारू रूप से शुरू रखने के निर्देश दिए। इससे पहले उन्होंने नरी सेमरी देवी भवन में मैया की पूजा अर्चना की। इस मौके पर पुलिस क्षेत्राधिकारी आशीष शर्मा, कोतवाल विनोद बाबू मिश्र, ठेकेदार अशोक भार्गव, राजू भार्गव, कल्लन एवं रामहेत भगत आदि मौजूद थे।

नरी सेमरी देवी मंदिर में दर्शन करते श्रद्धालु।

चप्पे–चप्पे पर पुलिस की कड़ी नजर

यूनिक समय, छाता (मथुरा)। पुलिस क्षेत्राधिकारी आशीष शर्मा ने बताया कि देवी मेला में श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए मंदिर व मेले प्रांगण में विभिन्न स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे से निगरानी की जा रही ही। प्रशासन के आदेश पर मेला में 27 उपनिरीक्षक, 2 महिला उपनिरीक्षक, 41 हल्का कांस्टेबल, 19 कांस्टेबल, 9 महिला कांस्टेबल, 1 ट्रैफिक उपनिरीक्षक, 3 ट्रैफिक कांस्टेबल पुलिसकर्मी व पीएसी के 10 जवान तैनात किए गए हैं।

ईद कल : पुलिस प्रशासन ने किए सुरक्षा के कड़े इंतजाम

ईद को लेकर एसपी सिटी डॉ. अरविंद कुमार पुलिस बल को लेकर शहर में भ्रमण करते हुए।

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। कल होने वाली ईद की नमाज को लेकर पुलिस प्रशासन ने भी अपनी तैयारियां पूरी कर ली हैं। पुलिसकर्मियों को प्रातः ही अपने ड्यूटी पॉइंटो पर पहुंचने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ नमाज के मद्देनजर ट्रैफिक का भी डायवर्जन किया गया है। नगर निगम द्वारा भी मस्जिदों के आस–पास सफाई की व्यवस्था की गई है। एसपी सिटी डॉ. अरविंद कुमार ने बताया कि कल होने वाली ईद की नमाज को लेकर पुलिस प्रशासन ने काफी कड़े सुरक्षा इंतजाम किए हैं। ईदगाह सहित शहर की अन्य सभी मस्जिदों में नमाज के समय पर्याप्त संख्या में पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है। इसके साथ ही शहर में पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है। सीसी टीवी कैमरों और ड्रोन से भी नमाज होने से पहले से लेकर नमाज अदा होने तक नजर

ईदगाह में नमाज को लेकर ट्रैफिक रूट में किया परिर्वतन

ईद की नमाज होने वाली मस्जिदों पर पुलिसकर्मी तैनात

सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन से रखी जाएगी नजर

रखी जाएगी। डीग गेट पुलिस चौकी पर अधिकारी मोनिटरिंग के लिए मौजूद रहेंगे।

शाही मस्जिद ईदगाह में होने वाली ईद की नमाज के लिए ट्रॉफिक को डायवर्ट किया गया है। इसके बारे में एसपी ट्रैफिक मनोज कुमार यादव ने बताया कि शहर के भरतपुर गेट चौराहे से डीग गेट को जाने वाले चौपहिया और तिपहिया वाहनों पर रोक रहेगी। इसी तरह मसानी से लेकर डीग गेट की ओर आने वाले वाहनों को रोका गया है। भूतेश्वर से डीग गेट को आने वाले वाहनों पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। इसके साथ ही गलियों से निकलने वाले रास्तों पर भी पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है जिससे नमाज के दौरान कोई वाहन इस ओर न आ सके। नगर निगम द्वारा भी मस्जिदों के आस–पास सफाई कराने के बाद चूना डाला गया।

रमजान खत्म होते ही ईद की चहल–पहल बढ़ी

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। रमजान के पवित्र माह का आखिरी रोजा आज खत्म होने पर इस माह का समापन हो जाएगा। मुस्लिम समाज के लोगों ने ईद पर बनाई जाने वाली सेवंइयों और अन्य सामान की खरीद शुरू कर दी है। सऊदी में आज ईद होने के बाद भारत में आज रमजान का आखरी रोजा है। यहां भी कल ईद होगी। ईद को लेकर जहां मस्जिदों पर रोशनी आदि की व्यवस्था की जा रही है। वहीं दूर दराज में रहने वाले परिवारों के सदस्य भी ईद का त्यौहार मानने के लिए अपने घरों की ओर जा रहे हैं। इसके साथ ही मुस्लिम परिवारों द्वारा अपने घरों की सफाई की जा रही है। मुस्लिम महिलाएं अपने सजने संवरने के लिए बाजार में चूड़ियां और जरूरी सामान खरीद रही हैं। इस

मुस्लिम बस्तियों में खुशी का माहौल

खूब की जा रही है बाजारों में खरीदारी

सेवई और खजले की दुकानों पर लग रही है भीड़

बार सेवई और खजला बिक्री करने वाले दुकानदारों ने भी पहले से तैयार काफी बड़ा स्टाक दुकानों पर बिक्री करने के लिए लगा रखा है। दुकानों पर सेवई और खजला आदि की खरीदारी खूब हो रही है। इसके साथ ही रोजा खोलने के बाद मुस्लिम आबादी वाले इलाकों में चहल पहल तेज हो गई है।

उठावनी

स्व. श्री बृजगोपाल गर्ग

अत्यंत दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है, कि हमारे पूज्यनीय श्री बृजगोपाल गर्ग पुत्र स्व. श्री गोविन्द शरन जी का गोलोकवास दिनांक 29.03.2025 दिन शनिवार को हो गया है। जिनकी उठावनी दिनांक 31.03.2025 दिन सोमवार को महिलाओं/ पुरुषों की सायं 4 से 5 बजे तक अग्रवाटिका, मसानी लिंक रोड़, मथुरा पर होगी।

शोकाकुल

श्रीमती वीना गर्ग (धर्मपत्नी)

कल्पना-चौ. नरेन्द्र जी, कविता-दिनेश जी, शैलजा-दीपक जी, रितु-अनुराग जी (पुत्री-दामाद)

चन्द्र प्रकाश अग्रवाल(एड.), राजेन्द्र कुमार गर्ग, अशोक कुमार गर्ग (भ्रातागण)

अमित गर्ग-वर्षा गर्ग (पुत्र-पुत्रवधू) जयवर्धन गर्ग, हर्षवर्धन गर्ग (पौत्रगण)

शारदा देवी, पुष्पा देवी (भाभी)

वीरेन्द्र कुमार गर्ग, डा॰ राकेश गर्ग, विवेक गर्ग, नीलेश गर्ग, वरुण गर्ग, सचिन गर्ग, अभिषेक गर्ग, गौरव गर्ग (एड.), सौमित्र गर्ग (भतीजेगण)

फर्म गोविंद शरन बृज गोपाल

सौंख रोड़, मथुरा। मो. 7817849794,9917476904

ससुराल पक्ष :- विनोद अग्रवाल, सुभाष चन्द्र अग्रवाल (एड.), प्रमोद अग्रवाल, आगरा

उठावनी

अत्यंत दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि मेरे पूज्य पिताजी श्री राजकुमार जी बिंदल सुपुत्र स्व. श्री कैलाशचन्द्र जी बिंदल का स्वर्गवास दिनांक 30.03.2025 को हो गया है। उठावनी दिनांक 31.03.2025 दिन सोमवार को महिलाओं एवं पुरुषों की दोपहर 3 बजे से 4 बजे तक नेशनल चैम्बर भवन, सरस्वती कुण्ड, मथुरा पर होगी।

स्व. श्री राजकुमार बिंदल • शोकाकुल •

रामप्रकाश - निशा बिंदल (भाई-भाभी)

श्रीमती बबिता बिंदल (पत्नी)

श्रीमती ममता बिंदल (भाभी)

मनीष - मिनी बिंदल (भतीजा-भतीजा वधू)

डॉ॰ श्रेयस-डॉ॰ विनिका बिंदल (पुत्र-पुत्रवधू)

आकाश - पूजा बिंदल (भतीजा-भतीजा वधू)

शुभ बिंदल (भतीजा)

ससुराल पक्षः कांची बिंदल (पुत्री)

मुरारीलाल गर्ग (ससुर) पियूष गर्ग, मोहित गर्ग (साले) एवं समस्त दाल वाला परिवार,मथुरा

• डॉ॰ श्रेयस बिन्दल असिस्टेण्ट प्रोफेसर, के॰डी॰ मेडिकल कॉलेज
• होटल के॰एम॰थी॰ • मै. आकाश बिल्डिंग मैटेरियल
मो. : 9897704437, 9837240259

धाम अयोध्या सजा चुके अब मथुरा जी की बारी है

सेठ बीएन पोद्दार इंटर कॉलेज के प्रांगण में आयोजित अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में काव्य पाठ करते हुए कवि।

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। नववर्ष मेला समिति के नववर्ष मेला में सांस्कृतिक कार्यक्रम अंतर्गत शनिवार को देर रात्रि सेठ बीएन पोद्दार इंटर कॉलेज में आयोजित अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में वीर रस और हास्य रस के कवियों ने अपने काव्य पाठ से श्रोताओं को बांधे रखा। कवि

कवियों ने कविता सुनाकर श्रोताओं को किया मंत्रमुग्ध

सम्मेलन का शुभारंभ मोनिका देहलवी ने सरस्वती वंदना से किया। वीर रस के कवि अजय अंजाम ने अपनी प्रसिद्ध हल्दीघाटी की कविता सारे जग के ऊपर अपना ध्वज फहराने की तैयारी है, धाम अयोध्या सज चुका अब मथुरा जी की बारी है से श्रोताओं में जोश भर दिया। राधाकांत पांडे ने ब्रज की अलौकिक छटा को निहार कर, नववर्ष पर राधे–राधे बोलिए का गायन किया। डॉ. कुमार मनोज ने प्रेम रस की कविता मोहब्बत जब कभी करना तो पौधों की तरह करना, जो महल में भी माटी साथ ले जाती है प्रस्तुत की। हास्य कवि पार्थ नवीन और महेंद्र अजनबी ने हास्य कविताओं से लोगों को खूब गुदगुदाया। वीर रस की कवियित्री ज्योति त्रिपाठी ने कविता जो जीवन दर्शन जाने उसे सनातन कहते हैं, कण कण में ईश्वर पहचाने उसे सनातन कहते हैं, सारी वसुधा को जो घर माने उसे सनातन कहते हैं ने सभी श्रोताओं को ताली की बजाने को मजबूर कर दिया। वीर रस कवि मनवीर मधुर के काव्य पाठ कुछ दहन किया जाए तन से रावण, कुछ मन से राम बन जाए को खूब सराहा गया। संचालन कवि मनवीर मधुर और डॉ. कुमार मनोज ने किया।

यमुना तट पर सूर्य की पहली किरण को अर्घ्य

संस्कार भारती के सदस्यों ने किया नव संवत्सर का स्वागत

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। संस्कार भारती मथुरा महानगर द्वारा नव संवत 2082 विक्रमी के स्वागत में यमुना तट के प्रयाग घाट पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जैसे ही सूर्य की पहली किरण यमुना की लहरों पर पड़ी, तट पर खड़े सैकड़ों श्रद्धालुओं ने गंगा जल से सूर्य को अर्घ्य दिया। लहरों पर तैरते हुए मंच से मंत्रोच्चार, शंख, घंटा और मंगल ध्वनियों और भजनों के साथ नव संवत् का स्वागत किया गया। भजन गायक श्रीगोपाल अग्रवाल के भजनों ने ऐसा समां बांधा कि घाट की सीढ़ियों पर बैठे लोग भक्ति भाव में झूमने लगे। अतिथि साध्वी सरोज बाला और भगवत विदुषी कीर्ति किशोरी ने दीप

यमुना के प्रयागघाट पर आयोजित नवसम्वत्सर के स्वागत को उपस्थित संस्कार भारती की महिला सदस्य एवं पदाधिकारी।

प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। संस्कार भारती के अध्यक्ष अनूप माहेश्वरी और कार्यकारी अध्यक्ष श्रीमती रेखा माहेश्वरी ने मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी के प्रो. जयंत खोत,

गायकों के भजनों को सुनकर भक्त हो गए भाव विभोर

केन्द्रीय ललित कला अकादमी क्षेत्रीय सचिव डॉ. देवेन्द्र त्रिपाठी, भागवताचार्य रमाकांत गोस्वामी, कार्यक्रम संयोजक सुधांशु गोयल और अमृत खंडेलवाल ने श्रीगोपाल अग्रवाल का स्वागत किया। संचालन संस्कार भारती के मार्गदर्शक सुरेन्द्र सक्सेना और सह महामंत्री श्रीमती चारू सिंघल ने किया। कार्यक्रम में शिव कुमार गुप्ता, मुकेश खंडेलवाल, उमा शर्मा, राज खंडेलवाल तथा सुभाष अग्रवाल एडवोकेट आदि उपस्थित थे।

अड़ींग सेक्टर के गांव सौंसा पहुंचे चौ. तेजवीर

गांव सौंसा में राज्यसभा सदस्य चौ. तेजवीर सिंह जनसम्पर्क के दौरान ग्रामीणों को योगी सरकार की उपलब्धियां बताते हए।

यूनिक समय, मथुरा। भाजपा सरकार की उपलब्धियां बताने राज्य सभा सांसद चौ तेजवीर सिंह अड़ींग सेक्टर के गांव सोंसा पहुंचे। यहां जन संपर्क के दौरान उन्होंने कहा कि मोदी–योगी सरकार की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि अब गांव में दगरे नहीं, पक्की सड़क हैं। गांव-गांव तक गंगाजल पहुंचाने का काम चल रहा है। गांव सोंसा का संपर्क बूथ अध्यक्ष केशव आर्य के घर से मन की बात कार्यक्रम सुनकर शुरू हुआ। पूर्व प्रधान निरंजन सिंह के यहां स्वागत समारोह में राज्य सभा सांसद बोल रहे थे। भाजपा

अब हर घर गंगाजल पहुंचाने के संकल्प के साथ किया संपर्क

जिला उपाध्यक्ष ज्ञानेंद्र सिंह राणा ने सरकार की आठ साल की उपलब्धियां गिनाई। संपर्क के दौरान ग्रामीणों ने गांव में इंटर लॉकिंग सड़क की मांग रखी। स्वागत करने वालों में रमेश चंद, ठा राजू, भरत कुमार, विनोद बघेल, महेंद्र बघेल, मानसिंह, डॉ पूरन, राजेन्द्र बघेल आदि प्रमुख थे।

बस की चपेट में आकर महिला की मौत

यूनिक समय, मथुरा। थाना गोविंदनगर थाने के समीप बस की चपेट में आकर स्कूटी सवार एक महिला की मौत हो गई। बताया गया कि वृंदावन दरवाजा कच्ची सड़क निवासी महिला साधना देवी पत्नी महेशपाल सिंह थाना गोविंदनगर के समीप आज दोपहर को जा रही थी। इसी बीच वहां से गुजरती बस ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। बस से कुचल कर महिला की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना का पता लगने पर पुलिस ने महिला के परिवारीजनों को दुर्घटना के बारे में सूचना दी और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

NOTICE

I TARUN AGARWAL S/O Shri Gopal Prasad Agrawal resident of 50, Jagannath Puri, Mathura (Uttar Pradesh) pin-281001 have Changed my name from Tarun Agarwal to Tarun Agrawal, Hence forth I would be known by the name of Tarun Agrawal for all future purpose.

वृंदावन में नवसंवत्सर शोभायात्रा निकाली

वृंदावन में निकाली गई नवसंवत्सर शोभायात्रा में शामिल सनातनी।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। विक्रम संवत 2082 के स्वागत में मंदिरों की नगरी में निकली नवसंवत्सर शोभायात्रा में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। शोभायात्रा के आयोजक आचार्य मृदुलकांत शास्त्री की अगुवाई में प्राचीन मदन मोहन मंदिर से प्रारंभ हुई शोभायात्रा में शामिल होने के लिए हर कोई उतावला नजर आया। बड़ी संख्या में संत, बुद्धजीवी, महिला और युवकों के साथ बच्चे भी शामिल हुए। सभी ने अपने-अपने अंदाज में नवसंवत्सर का स्वागत किया। बाजार में व्यापारियों ने फूल की वर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया।

शोभा यात्रा में पहली बार श्री कृष्ण जन्म भूमि की मुक्ति का संदेश देती झांकी शामिल की गई। ब्रज मंडल के प्रमुख मंदिर और साधु संतों की मंडलियों ने भी शोभायात्रा में हिस्सा लिया। इस शोभायात्रा के माध्यम से

पग-पग पर लोगों ने किया स्वागत

सनातन की मजबूती का संदेश दिया

दुनिया भर में सनातन की मजबूती का संदेश दिया गया। शोभायात्रा में जगतगुरु श्री निंबारकर आचार्य श्री श्रीजी महाराज, साध्वी ऋतंभरा, श्रीधाम पीठाधीश्वर स्वामी गोपाल चरण देवाचार्य, हनुमानगढ़ी अयोध्या के अर्पिता, कालपी के शीर्षक दास, श्रीबलराम बाबा, फूलडोल, बिहारी दास, मोहिनी शरण, राधा प्रसाद देव जू महाराज, सौरभ गौड़, महेंद्र प्रताप सिंह एडवोकेट, भैया दास, गोकुल के पंकज बाबा, गोपेश बाबा, आचार्य बद्रीश, आनंद बल्लभ गोस्वामी, मुकेश सारस्वत, ब्रह्म देव द्विवेदी, डॉ. लक्ष्मी गौतम तथा मुदिता शर्मा आदि शामिल हुए।

विद्युत चिंगारियों से घर में लगी आग, हजारों का सामान जला

यूनिक समय, मथुरा। थाना बलदेव के ब्रह्मपुरी में ट्रैक्टर ने 11 हजार केवीए की लाइन के पोल में टक्कर मार दी। टक्कर से विद्युत लाइन से निकली चिंगारियों से एक मकान में आग लग गई। आग से घर में रखा सामान आदि जल गया। बताया गया कि आज रास्ते से गुजरते एक ट्रैक्टर ने सड़क किनारे खड़े 11 हजार केवीए लाइन के पोल में टक्कर मार दी। पुल से निकली विद्युत चिंगारियां वहा निकट बने संजय शर्मा के मकान में गिर गई जिससे मकान में आग लग गई। विद्युत तारों से निकली तेज चिंगारियों से आस-पास के लोगों में हड़कंप मच गया। तारों से निकली चिंगारियों से संजय शर्मा के मकान में आग लग गई। आग से घर में रखा सामान और बिजली की केबल आदि जल गई। फायर ब्रिगेड की गाड़ी ने मौके पर पहुंचकर घर में लगी आग को बुझाया।

आग से खेत में खड़ी गेहूं की फसल जलकर हुई राख

यूनिक समय, मथुरा। थाना बलदेव के गांव नगला मोहन में एक किसान के खेत में खड़ी गेहू की फसल आग लगने से बरबाद हो गई। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने आग पर काबू किया। नगला मोहन निवासी रवि चौधरी ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी कि गांव खड़ी गेहूं की फसल में आग लग गई है।

ग्रामीणों द्वारा आग को बुझाया जा रहा है, लेकिन आग तेजी से आगे बढ़ रही है। सूचना पर मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू किया, लेकिन उस समय तक किसान की दस बीघे खेत में खड़ी फसल आग से जलकर राख हो चुकी थी। जैंत के गांव मघेरा और मांट के गांव राजागढ़ी में किसोनों के बुर्जी बिटोरों में लगी आग से हजारों रुपये का ईंधन आदि जलकर राख हो गया। बताया गया कि आज अचानक गांव मघेरा में खेतों पर बने बुर्जी बिटोरों में अचानक आग लग गई। ग्रामीणों को आग लगने का पता उस समय लगा जब आग तेजी पकड़ चुकी थी। ग्रामीण आग बुझाने को दौड़ पड़े। फायर ब्रिगेड को भी इस बारे में सूचना दी गई। मौके पर पहुंचकर फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू किया, लेकिन उस समय तक हजारों रुपये का इंधन और पशुओं का भूसा जलकर राख हो चुका था। इसी तरह थाना मांट के गांव नगला हरिया में भी किसानों के बुर्जी बिटोरों में आग लग गई। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की दमकल ने आग पर काबू किया।

झूलेलाल जन्मोत्सव में गूंजे नगमें, झूमे सिंधीजन

झूले लाल के जन्मोत्सव पर झूमते सिंधी समाज के पदाधिकारी।

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। भगवान झूलेलाल जन्मोत्सव का आगाज रविवार को शहर में हो गया। सिंधी जनरल पंचायत के तत्वावधान में चल रहे सिंधी उत्सव की अदभुत झलक गोवर्धन मार्ग स्थित कृष्णा आर्किड में दिखी। इसमें आयोलाल- झूलेलाल का उदघोष और सिंधी समाज की प्रसिद्ध डंडेशाही की खनक से स्थानीय निवासी रोमांचित हो गए। चेटीचंड पर्व पर मुख्य आयोजन एक अप्रैल को है। इस अवसर पर झूले लाल की शोभायात्रा नगर में निकाली जाएगी। मीडिया प्रभारी किशोर इसरानी ने बताया कि कृष्णा आर्किड के सिंधी परिवारों के सौजन्य से भगवान झूलेलाल की अमर ज्योति सिंधी पंडित मोहनलाल महाराज द्वारा प्रज्जवलित कराई गई। तदोपरांत अमर ज्योत की झांकी के साथ सिंधी युवक और युवतियां डंडेशाही का प्रदर्शन करते दिखे। अमर ज्योत का स्थानीय सिंधी परिवारों ने स्वागत व

कृष्णा ऑर्किड में सिंधी उत्सव की धूम

कल शहर में निकलेगी झूलेलाल की शोभायात्रा

पूजा-अर्चन किया। कलाकार चंद्रकांत लालवानी की मंडली के सिंधी भजनों की धूम रही, जिसमें सिंधी नवयुवक और महिलाओं के साथ हर कोई झूम उठा।

समापन पर बच्चों को पुरस्कृत किया। सिंधी उत्सव के मुख्य संयोजक रामचंद्र खत्री ने बताया कि वरूणावतार भगवान झूलेलाल के जन्मोत्सव पर सिंधी जनरल पंचायत के तत्वावधान में दो एक अप्रैल को दोपहर एक बजे से होलीगेट स्थित अप्सरा पैलेस में गीत-भजन विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों के मध्य प्रतिभाशाली बच्चों को सम्मानित किया जाएगा। सायं 5 बजे भगवान झूलेलाल की शोभायात्रा नगर में निकाली जायेगी।

नव संवत्सर पर ठाकुर श्री केशव देव जी महाराज का अभिषेक

यूनिक समय, मथुरा। प्राचीन ठाकुर श्री केशव देव जी महाराज मंदिर में नव संवत्सर के अवसर पर विशेष अभिषेक कार्यक्रम आयोजित किया गया। नर सेवा नारायण सेवा के अंतर्गत, श्री कृष्णा सामूहिक संकीर्तन मंडल के सदस्यों ने हजारों साधु संतों और दर्शनार्थियों को ठाकुर जी का प्रसाद वितरण किया। साथ ही, संकीर्तन मंडल के सदस्यों ने ठाकुर जी के समक्ष भजन प्रस्तुत किए, जिससे वातावरण भक्तिमय हो गया। अनिरुद्ध आचार्य महाराज का स्वागत भी संकीर्तन मंडल द्वारा भगवान ठाकुर श्री केशव देव जी की छवि भेंट कर किया गया। इस अवसर पर दीपक

अनिरुद्ध आचार्य महाराज को भगवान ठाकुर श्री केशव देव जी की छवि भेंट करते संकीर्तन मंडल के सदस्य।

शर्मा, मनमोहन सर्राफ, सुरेश अग्रवाल, पंकज फैंसी, योगेंद्र गोयल, विजय बंसल सहित सैकड़ों भक्त मौजूद रहे।

सीए ब्रांच में महिला दिवस माह के तहत सफल कार्यक्रम आयोजित

यूनिक समय, मथुरा। सीए ब्रांच में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस माह के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य महिलाओं के सशक्तिकरण और वित्तीय जागरूकता को बढ़ावा देना था। इस कार्यक्रम में विभिन्न सत्रों के माध्यम से महिलाओं को वित्तीय स्वतंत्रता और जागरूकता के महत्व के बारे में बताया गया। कार्यक्रम में सीए ब्रांच के अध्यक्ष सीए राहुल चौधरी ने उपस्थित महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा, "आज की महिलाएं हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं। वित्तीय स्वतंत्रता और जागरूकता उन्हें और सशक्त बना सकती है। हमारा उद्देश्य महिलाओं को कर और वित्तीय प्रबंधन में सक्षम बनाना है।" मुख्य अतिथि सीए रुचि गुप्ता, रीजनल कौंसिल मेम्बर जयपुर, ने "वर्क-लाइफ बैलेंस और युवा महिलाओं के लिए अवसर" पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने बताया कि महिलाएं करियर और पारिवारिक जिम्मेदारियों के बीच संतुलन कैसे स्थापित कर सकती हैं और उन्होंने युवा महिलाओं के लिए उपलब्ध विभिन्न अवसरों पर विस्तार से चर्चा की। विशिष्ट अतिथि सौम्या गौड़ ने "विमेन एंटरप्रेन्योरशिप" पर एक प्रेरणादायक सत्र लिया, जिसमें उन्होंने महिलाओं को स्वरोजगार और स्टार्टअप्स के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने कहा, "महिलाएं अब पारंपरिक नौकरियों तक सीमित नहीं हैं, वे उद्यमिता के माध्यम से नई ऊंचाइयों को छू रही हैं।" कार्यक्रम में टेक्निकल सेशन का संचालन सीए मोनिका अग्रवाल और सीए अक्षाली गौड़ ने किया। महिला चार्टर्ड एकाउंटेंट्स को आकर्षक गिफ्ट्स से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का समापन स्वादिष्ट चाट चौपाल के साथ हुआ। उपस्थित महिलाओं ने कार्यक्रम की सराहना की और इसे प्रेरणादायक एवं ज्ञानवर्धक बताया।

महर्षि गौतम की जयंती पर विप्र समाज का सम्मान

कार्यक्रम में सम्मानित किए विप्र जन।

महर्षि गौतम की शोभायात्रा में गुड्डू गौतम, ऋषि गौतम एवं समाज के अन्य लोग।

यूनिक समय, मथुरा। सर्वोदयी ब्राह्मण विकास संस्थान द्वारा महर्षि गौतम जी की जयंती बड़े धूमधाम से मनाई गई। यह कार्यक्रम संस्थान के कैंप कार्यालय, जगन्नाथपुरी पर पंडित सोहनलाल शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत महर्षि गौतम के चित्रपट पर माल्यार्पण से की गई, जिसमें पंडित सोहनलाल शर्मा, नारायण प्रसाद शर्मा और राजकुमार गौतम ने भाग लिया। इस अवसर पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें पप्पू गौतम ने महर्षि गौतम को वैदिक काल के सप्त ऋषियों में एक महान ऋषि और न्याय दर्शन के संस्थापक के रूप में प्रस्तुत किया। पंडित सोहनलाल शर्मा ने महर्षि गौतम की ऋषि बाण विद्या में निर्गुणता की बात की। कार्यक्रम में रामनरेश गौतम ने सर्वोदयी ब्राह्मण विकास संस्थान की सराहना की और इसके सभी विप्र समाज के लिए किए गए कार्यों की प्रशंसा की। संस्था ने इस अवसर पर विप्र समाज के कई गणमान्य व्यक्तियों को सम्मानित किया, जिनमें राम नरेश गौतम, राजकुमार गौतम, पन्नालाल गौतम, पप्पू गौतम, और अन्य शामिल थे। कार्यक्रम का संचालन नारायण प्रसाद शर्मा ने किया, और राम गोपाल शर्मा, महेंद्र दत्ताचार्य, और दिलीप पांडे ने प्रमुख रूप से उपस्थित होकर कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई।

महर्षि गौतम जयंती बड़े धूमधाम के साथ मनाई गयी

शोभायात्रा का लोगों ने किया जोरदार स्वागत

यूनिक समय, मथुरा। हर वर्ष की तरह महर्षि गौतम जयंती महोत्सव बड़े उत्साह और धूमधाम के साथ बजरंग धर्मकाटा से शुरू करते हुए बीएसए कॉलेज होते हुए निकाली गयी। साथ बैण्ड बाजों की धुन पर लोग नाचते हुए जा रहे थे। जयंती का स्थानीय लोगों के द्वारा पुष्पों व फूलमालाओं के द्वारा लोग जगह-जगह स्वागत करते रहे। लोगों में इतना उत्साह था कि काफी लम्बी-लम्बी लाइने लग गयी। जयंती में बैण्ड की धुन में महर्षि गौतम की आरती गाते हुए लोग जा रहे थे। जयंती में समाज के लोगों ने काफी संख्या में बढ़चढ़ कर भाग लिया। जयंती पर सायं के समय बजरंग धर्मकांटा महोली रोड़ से शोभायात्रा प्रारंभ होकर ब्रज बिहार वाटिका कंकाली पर पहुंच कर समाप्त हुई। इस मौके पर भजन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया। साथ समाज के मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर यूनिक समय के सम्पादक पवन गौतम, पूर्व ब्लाक प्रमुख पन्ना लाल गौतम, देवेंद्र गौतम उर्फ गुड्डू भईया एवं सैकड़ों गणमान्य लोग मौजूद थे।

गोवर्धन से छाता तक कल से चलेगी रोडवेज की एक बस

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा डिपो के संचालन प्रभारी जय प्रकाश शुक्ला ने बताया कि पहली अप्रैल से रोडवेज की एक बस सेवा सुबह गोवर्धन होकर नींमगांव, पाडल व सहार होकर छाता तहसील मुख्यालय तक चलेगी।

NOTICE

I TARUN AGRAWAL S/O Shri Gopal Prasad Agrawal resident of 50, Jagannath Puri, Mathura (Uttar Pradesh) pin- 281001 have Changed my minor son's name from Tanishk Agarwal to Tanishk Agrawal, Hence forth he would be known by the name of Tanishk Agrawal for all future purpose.

संस्कारों की सीख से संवारें भविष्य,नई पीढ़ी बने उज्जवल और प्रेरणादायक

यूनिक समय, मथुरा। बच्चों को अच्छे संस्कार देना उनके उज्ज्वल भविष्य और समाज के निर्माण के लिए अत्यंत आवश्यक है। संस्कार वे मूल्य और आदतें हैं जो उनके व्यक्तित्व को संवारते हैं और उन्हें एक जिम्मेदार नागरिक बनाते हैं। आजकल की तेज़ रफ्तार जिंदगी में बच्चों को नैतिक शिक्षा देना चुनौतीपूर्ण हो गया है, लेकिन सही दिशा–निर्देशन से यह कार्य संभव है।

सकारात्मक वातावरण : बच्चे वही सीखते हैं जो वे अपने आसपास देखते हैं। माता–पिता और परिवार के अन्य सदस्य यदि प्रेम, सहानुभूति, और नैतिकता का व्यवहार करेंगे, तो बच्चे भी इन्हीं गुणों को आत्मसात करेंगे। घर में पारिवारिक मूल्य, सद्भाव और सहयोग की भावना होनी चाहिए।

नैतिक कहानियों और धार्मिक ग्रंथों का महत्व: बच्चों को पंचतंत्र, हितोपदेश, रामायण, महाभारत और अन्य नैतिक शिक्षा देने वाली कहानियाँ सुनाएं। ये कहानियाँ बच्चों में नैतिकता, परोपकार, ईमानदारी और अनुशासन की भावना विकसित करती हैं।

अच्छे आचरण की आदत डालें: बच्चों को नम्रता, आदर, धैर्य, और सहनशीलता सिखाना बेहद जरूरी है। उन्हें 'धन्यवाद', 'कृपया' और 'क्षमा करें' जैसे शब्दों का सही प्रयोग करना सिखाएं।

सही संगति का ध्यान रखें : बच्चे जिस माहौल में रहते हैं, वही उनकी सोच और व्यवहार को प्रभावित करता है। माता–पिता को ध्यान रखना चाहिए कि उनके बच्चे किन लोगों के साथ समय बिता रहे हैं और उनका प्रभाव सकारात्मक है या नहीं।

सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों में भागीदारी : बच्चों को सामाजिक कार्यों, जैसे वृद्धाश्रम, अनाथालयों में सेवा, जरूरतमंदों की मदद और स्वच्छता अभियानों में शामिल करें। इससे उनमें सेवा भावना और सामाजिक जिम्मेदारी का विकास होगा।

अनुशासन और आत्मनिर्भरता की शिक्षा : बच्चों को अनुशासन में रहना सिखाएं, जैसे समय पर उठना, पढ़ाई करना, और जिम्मेदारियों को निभाना। उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रोत्साहित करें, ताकि वे अपने फैसले खुद ले सकें।

डिजिटल युग में संतुलन : आज के समय में बच्चों को डिजिटल दुनिया में भी संस्कारवान बनाना जरूरी है। उन्हें इंटरनेट और सोशल मीडिया के सही उपयोग की शिक्षा दें और अनावश्यक स्क्रीन टाइम से बचाएं।

संस्कार किसी भी बच्चे के व्यक्तित्व को निखारने का आधार होते हैं। यह माता–पिता, परिवार और समाज की संयुक्त जिम्मेदारी है कि वे बच्चों को सही मार्ग दिखाएं। उचित शिक्षा, अनुशासन और सही संगति से बच्चे एक संस्कारित और जिम्मेदार नागरिक बन सकते हैं।

क्या आप भी धूप में से आकर पीते हैं फ्रिज का ठंडा पानी?

यूनिक समय, नई दिल्ली। गर्मियों के मौसम में अधिक तापमान में ठंडा पानी पीना लोगों को गर्मी से राहत दिलाता है। गर्मियों में हाइड्रेट रहने के लिए लोग लिक्विड ड्रिंक का सेवन करते हैं, जिसमें साधारण पानी के साथ ही लोग लस्सी, जूस और नारियल पानी समेत तरह तरह के ड्रिंक्स का सेवन करते हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक, हाइड्रेटेड रहने के लिए कम से कम आठ से 10 गिलास पानी पीना बेहद जरूरी होता है। लेकिन पानी पीते समय उसके सही तापमान का होना भी जरूरी है। पानी के तापमान का असर स्वास्थ्य पर होता है। गर्मियों में लोग ठंडा पानी पीने की इच्छा से फ्रिज का पानी पीते हैं। प्यास बुझाने और थकावट दूर करने के लिए लोग कभी भी ठंडा पानी पी लेते हैं, इससे भले ही कुछ देर के लिए गर्मी से राहत मिल जाती है लेकिन इसका नुकसान भी बहुत होता है। आयुर्वेद में ठंडे पानी को सेहत के लिए नुकसानदायक बताया गया है। खासकर फ्रिज का चिल्ड वाटर बिल्कुल भी नहीं पीना चाहिए। धूप से आकर, एक्सरसाइज के बाद या खाने के बाद ठंडा पानी पीने से शरीर पर बुरा असर पड़ता है। अगर आप भी

गर्मियों में गलत समय और गलत तरीके से ठंडे पानी का सेवन करते हैं तो जान लें इससे सेहत को होने वाले नुकसान के बारे में। शरीर किसी भी पदार्थ को अपने तापमान पर लाता है, जिसे वह आगे पाचन के लिए भेजता है लेकिन बहुत कम तापमान की चीजों का सेवन करने से शरीर उसे अपने तापमान के मुताबिक करने लगता है, जिससे डाइजेशन प्रक्रिया धीमी हो जाती है और अपच की समस्या हो जाती है। पेट में ठंडा पानी डाइजेस्टिव सिस्टम को प्रभावित करता है। रिसर्च के मुताबिक, ठंडा पानी ब्लड वेसल्स को सिकोड़ देता है, जिससे पाचन की समस्या हो जाती है। अक्सर गला खराब होने या आवाज बदलने पर बड़े बुजुर्ग कहते हैं कि जरूर ठंडा पानी पी लिया होगा। यह सही भी है, ठंडा पानी पीने से गले में खराश हो जाती है। फ्रिज में निकालकर ठंडा पानी पीने से ऐसी समस्या होना आम बात है। वहीं अगर आप भोजन के बाद ठंडा पानी पी लेते हैं तो बलगम बनने लगता है और सांस लेने के रास्ते ब्लॉक हो जाते है।

जिससे गले में खराश, बलगम, जुकाम और गले में सूजन जैसी समस्याएं हो सकती हैं ठंडे पानी का सेवन आपके शरीर का हार्ट रेट भी कम कर सकता है। एक स्टडी के मुताबिक, फ्रिज का ज्यादा ठंडा पानी पीने से दसवीं कपाल तंत्रिका

ठंडे पानी से सेहत को हो सकते हैं ये नुकसान

(वेगस नर्व) स्टिम्युलेट हो जाती है। शरीर के अनैच्छिक कार्यों को नियंत्रित करने का काम नर्व ही करती है। कम तापमान के पानी का असर सीधे वेगस नर्व पर होता है, जिससे हार्ट रेट कम हो जाती है। धूप से आने के तुरंत बाद अगर आप बहुत ठंडा पानी या बर्फ का पानी पी लेते हैं तो ब्रेन फ्रीज हो सकता है। ठंडे पानी का सेवन आपकी रीढ़ की कई नसों को ठंडा कर सकता है, जिसका असर मस्तिष्क पर होता है और सिर दर्द होने लगता है। साइनस की समस्या से ग्रसित लोगों के लिए यह स्थिति मुसीबत बढ़ा सकती है। जो लोग अपना वजन कम करना चाहते हैं, उन्हें ठंडे पानी का सेवन नहीं करना चाहिए। ठंडे पानी के कारण शरीर में मौजूद फैट को बर्न करना मुश्किल हो जाता है। फ्रिज के पानी से शरीर का फैट सख्त हो जाता है, जिसकी वजह से वसा को कम करने में समस्या आती है और वजन कम नहीं होता।

सेहत के लिए फायदेमंद है करेला

यूनिक समय, नई दिल्ली। स्वास्थ्य विशेषज्ञ बेहतर सेहत के लिए पोषणयुक्त खानपान की सलाह देते हैं। इसके लिए ताजी सब्जियां, फल, नट्स आदि को सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है। खानपान की कई सामग्रियों में औषधीय गुण भी होते हैं।

अक्सर बड़े बुजुर्ग ताजी सब्जियां खाने की सलाह देते हैं। सब्जियों के सेवन से स्वास्थ्य बेहतर रहता है। इम्यूनिटी मजबूत होती है और कई रोगों से बचाव होता है। पौष्टिक सब्जियों की जब बात आती हैं तो करेला को काफी असरदार बताया जाता है। करेला वजन कम करने के साथ ही कोलेस्ट्रॉल स्तर को भी घटाता है। वहीं हार्ट रेट के लिए भी अच्छा है। करेला के सेवन के कई सारे फायदे हैं लेकिन सही तरीके से इसका सेवन न करना नुकसानदायक भी हो सकता है। करेले के साथ कुछ चीजों के सेवन की सख्त मनाही होती है। औषधीय गुणों से युक्त करेला कुछ खाद्य सामग्रियों के साथ मिलकर जहर जैसा काम कर सकता है।

करेला सेहत के लिए फायदेमंद है तो वहीं दूध भी बेहद पौष्टिक होता है लेकिन अगर आप करेला और दूध को एक साथ खाने की सोच रहे हैं तो इसका प्रभाव उल्टा पड़ सकता है। कभी भी करेला खाने के बाद दूध नहीं पीना चाहिए। इससे पेट संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। करेला के बाद दूध का सेवन करने से कब्ज, दर्द और जलन हो सकती है। मूली की तासीर

करेला की तासीर से अलग अलग होती है। इसलिए कभी भी करेला खाने के बाद मूली या मूली से बनी चीजों का सेवन नहीं करना चाहिए। मूली और करेला साथ खाने से गले में कफ और एसिडिटी की शिकायत हो सकती है। करेले की सब्जी या जूस आदि के बाद दही का सेवन नहीं करना चाहिए। करेला और दही साथ खाने से त्वचा संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। इसके साथ उपयोग से स्किन रैशेज होने की संभावना रहती है। भिंडी और करेले की सब्जी का सेवन भी साथ नहीं करना चाहिए।

करेला और भिंडी दोनों का एक साथ सेवन अपच की शिकायत कर सकता है। करेला के साथ भिंडी को पचाने में दिक्कत हो सकती है।अगर आप गर्मी के मौसम में करेला की सब्जी के साथ या बाद में आम का सेवन करते हैं तो यह फायदा पहुंचाने के बजाए नुकसानदायक हो जाता है। करेले को पचने में समय लगता है, वहीं आम का पाचन भी देर से होता है। ऐसे में करेला और आम का सेवन साथ करने से उल्टी, जलन, मिलती और एसिडिटी की दिक्कत हो सकती है।

खुलकर बोलें, आत्मविश्वास से अपनी आवाज को मजबूत बनाएं

यूनिक समय, नई दिल्ली। आज के दौर में लोगों के पास बोलने के कई मंच हैं–सोशल मीडिया, न्यूज़ प्लेटफॉर्म, और व्यक्तिगत बातचीत। फिर भी, अधिकतर लोग खुलकर अपनी राय रखने से घबराते हैं। आखिर इसकी वजह क्या है?

सामाजिक दबाव और डर : अधिकतर लोग इस डर से खुलकर नहीं बोलते कि कहीं उनकी बातों को नकारात्मक रूप से न लिया जाए। वे सोचते हैं कि उनके विचारों की वजह से लोग उन्हें जज करेंगे या आलोचना करेंगे।

असहमति का भय: विचारों का मतभेद स्वाभाविक है, लेकिन कुछ लोग टकराव से बचने के लिए अपनी बात नहीं रखते। उन्हें डर होता है कि उनकी राय के कारण रिश्ते खराब हो सकते हैं।

अस्वीकृति और ट्रोलिंग : डिजिटल युग में ट्रोलिंग एक बड़ी समस्या बन गई है। सोशल मीडिया पर लोग खुलकर अपनी बात कहने से कतराते हैं क्योंकि वे नहीं चाहते कि उन्हें ऑनलाइन ट्रोल किया जाए या उनकी छवि खराब हो।

आत्मविश्वास की कमी : कई लोग खुद पर भरोसा नहीं कर पाते और सोचते हैं कि उनकी बात का कोई महत्व नहीं है। आत्म–संदेह उनके विचारों को खुलकर व्यक्त करने में बाधा डालता है।

सांस्कृतिक और पारिवारिक प्रभाव: हमारे समाज और परिवार का प्रभाव भी हमें खुलकर बोलने से रोकता है। बचपन से ही कुछ लोग सिखाए जाते हैं कि अपनी राय रखना असभ्य या अनुचित हो सकता है।

समाधान क्या है?

आत्मविश्वास बढ़ाएं- अपने विचारों को तार्किक रूप से प्रस्तुत करने की आदत डालें।
सकारात्मक आलोचना स्वीकार करें- हर कोई आपकी राय से सहमत नहीं होगा, लेकिन स्वस्थ चर्चा को अपनाएं।

सही मंच चुनें- जहां जरूरी हो, वहीं अपनी बात रखें और सोच–समझकर शब्दों का चुनाव करें।
ज्ञान बढ़ाए-किसी भी विषय पर बोलने से पहले खुद को पूरी तरह तैयार करें, ताकि आपकी बात प्रभावशाली लगे।

खुलकर बोलने की कला विकसित करना जरूरी है, क्योंकि यही स्वतंत्रता व्यक्तित्व और समाज को मजबूत बनाती है।

सम्पादकीय

लोकतंत्र में अब चुनाव प्रक्रिया में सुधार जरूरी

राजनीति में बढ़ता अपराधीकरण कैसे रुकेगा। यह ज्वलंत प्रश्न आजकर आज पब्लिक की जुबान है। कहने का मतलब है कि भारतीय राजनीति में अपराधीकरण एक गंभीर समस्या बन गई है। चुनावी प्रक्रिया में अपराधियों की बढ़ती भागीदारी लोकतंत्र की बुनियाद को कमजोर कर रही है। कई राजनीतिक दल

पवन गौतम
संपादक

अपराधियों को टिकट देने से हिचकिचाते नहीं, क्योंकि ये नेता बाहुबल और धनबल के सहारे चुनाव जीतने में सक्षम होते हैं। यह प्रवृत्ति कानून–व्यवस्था, पारदर्शिता और सुशासन के लिए खतरा बन रही है। सुप्रीम कोर्ट और चुनाव आयोग ने बार–बार चिंता जताई है कि बड़ी संख्या में सांसदों और विधायकों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय संसद और विधानसभाओं में कई जनप्रतिनिधियों पर गंभीर आपराधिक मामले लंबित हैं, जिनमें हत्या, अपहरण और भ्रष्टाचार जैसे अपराध शामिल हैं। अपराधियों के पास चुनाव प्रचार के लिए अपार धन होता है, जिससे वे आसानी से टिकट पा लेते हैं। कई बार अपराधी स्थानीय स्तर पर प्रभावशाली होते हैं और जनता में दबदबा बनाए रखते हैं। कहा जाता है कि धीमी न्याय प्रणाली और राजनीतिक संरक्षण के कारण अपराधी नेता बच निकलते हैं। जाति और धर्म के नाम पर अपराधियों को समर्थन मिलता है, जिससे वे चुनाव जीतने में सफल होते हैं। हर बार चुनावों के समय मुद्दा उठता है कि राजनीति में आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोगों के प्रवेश पर रोक लगाने के लिए सख्त कानून बनाना जरूरी है। चुनाव लड़ने से पहले नेताओं के खिलाफ मामलों की सुनवाई तेजी से पूरी हो। राजनीतिक दलों को स्वेच्छा से अपराधियों को टिकट देने से बचना चाहिए। वोटर्स को शिक्षित किया जाए कि वे स्वच्छ छवि वाले उम्मीदवारों को ही वोट दें। चुनाव आयोग को दागी नेताओं पर कड़ी कार्रवाई करने के अधिकार दिए जाएं। आम बुद्धिजीवी वर्ग का कहना है कि सुधारों को प्रभावी तरीके से लागू किया जाए, तो राजनीति में अपराधीकरण पर अंकुश लगाया जा सकता है और लोकतंत्र को मजबूत किया जा सकता है। अब समय आ गया है कि हम स्वच्छ राजनीति की दिशा में ठोस कदम उठाना जरूरी है।

नजरिया

विश्व शांति एवं समृद्धि के लिए हिंदुओं को एक करने का प्रयास करता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

प्रहलाद सबनानी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का यह भी मानना है कि धर्म के अधिष्ठान पर आत्मविश्वास से परिपूर्ण संगठित सामूहिक जीवन के आधार पर ही हिंदू समाज अपने वैश्विक दायित्व का निर्वाह प्रभावी रूप से कर सकेगा।

वैश्विक स्तर पर आज कुछ देशों के बीच प्रत्यक्ष युद्ध चल रहा है (रूस–यूक्रेन के बीच एवं इजराइल–हमास के बीच) तो कुछ देशों की बीच शीत युद्ध की स्थिति निर्मित होती दिखाई दे रहे है (ईरान–इजराइल के बीच, रूस–यूरोपीयन देशों के बीच, अमेरिका–हूतियों के बीच, अमेरिका–कुछ अफ्रीकी देशों के बीच) तथा कुछ देशों के बीच व्यापार युद्ध छिड़ता हुआ दिखाई दे रहा है (अमेरिका–चीन, अमेरिका–मेक्सिको, अमेरिका–कनाडा, आदि के बीच)। कुल मिलाकर आज वैश्विक स्तर पर स्पष्टतः शांति का अभाव दिखाई दे रहा है। वैश्विक स्तर पर इन विपरीत परिस्थितियों के बीच सनातनी हिंदुओं द्वारा भारत के प्रयागराज में एक महाकुम्भ का आयोजन शांतिपूर्वक एवं अति सफलता से सम्पन्न किया जाता है। इस महाकुम्भ में पूरे विश्व से सनातनी हिंदू एवं अन्य धर्मों के अनुयायी 66 करोड़ से अधिक की संख्या में पवित्र त्रिवेणी में आस्था की डुबकी लगाते हैं। इन 66 करोड़ धर्मावलम्बियों के बीच किसी भी प्रकार का असहयोग एवं किसी भी स्तर पर असहमति नहीं दिखाई देती है। जाति, पंथ, मत, प्रांत, भाषा आदि के नाम पर किसी भी प्रकार का विरोध दिखाई नहीं दिया, बस सभी धर्मावलंबी अपने आप को केवल और केवल सनातनी हिंदू कहते हुए दिखाई दिए हैं। ऐसा आभास हो रहा है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा इस संदर्भ में पिछले 100 वर्षों से किए जा रहे प्रयास अब सफल होते दिखाई दे रहे हैं।

अब लगभग पूरा विश्व ही यह मानने लगा है कि वैश्विक स्तर पर लगातार पनप रही अशांति का हल केवल भारतीय सनातन संस्कृति के संस्कारों के अनुपालन से ही सम्भव है। इसी संदर्भ में दिनांक 21 मार्च 2025 से 23 मार्च 2025 तक बंगलुरू में सम्पन्न अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने "विश्व शांति और समृद्धि के लिए समरस और संगठित हिंदू समाज का निर्माण" विषय पर एक प्रस्ताव पास किया है। इस प्रस्ताव में यह कहा गया है कि "अनंत काल से ही हिंदू समाज एक प्रदीर्घ और अविस्मरणीय यात्रा में साधनारत रहा है, जिसका उद्देश्य मानव एकता और विश्व कल्याण है। तेजस्वी मातृशक्ति सहित संतो, धर्माचार्यों तथा महापुरुषों के आशीर्वाद एवं कर्तृत्व के कारण हमारा राष्ट्र कई प्रकार के उतार चढ़ावों के उपरांत भी निरंतर आगे बढ़ रहा है।" अर्थात सनातन संस्कृति के संस्कारों की आज के संदर्भ में परख करने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि यह संस्कार हिंदू देवी देवताओं द्वारा समाज के भले के लिए ही लागू

किये गए हैं और हजारों वर्षों से भारतीय हिंदू समाज इनका सफलतापूर्वक अनुसरण करता आया है। समय की कसौटी पर सदैव ही यह खरे उतरे हैं। अतः आज भी सनातन हिंदू संस्कारों की प्रासंगिकता बनी हुई हैं। इन्हीं संस्कारों के चलते भारत सदैव से ही "वसुधैव कुटुम्बकम" एवं "सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय" की भावना को आत्मसात करता आया है। भारत के लिए तो पूरा विश्व ही अपना परिवार है, फिर क्यों एक दूसरे से झगड़ा करना। बल्कि, भारत में तो विश्व के कोने कोने से अन्य धर्मावलंबी भी आकर आसानी से रच बस गए हैं एवं सनातन संस्कृति में समा गए हैं। जैसे, कुषाण, शक, हूण, पारसी, आदि। पूरे विश्व में भारत ही एक ऐसा राष्ट्र है जहां मुस्लिम अनुयायीयों के समस्त फिर्के पाए जाते हैं अन्यथा मुस्लिम देशों में भी समस्त फिर्के शायद ही पाए जाते हों। उक्त प्रस्ताव में इस संदर्भ में आगे कहा गया है कि "अपनी प्राचीन संस्कृति और समृद्ध परम्पराओं के चलते सौहार्दपूर्ण विश्व का निर्माण करने के लिए भारत के पास अनुभव जनित ज्ञान उपलब्ध है। हमारा चिंतन विभेदनकारी और आत्मघाती प्रवृतियों से मनुष्य को सुरक्षित रखते हुए चराचर जगत में एकत्व की भावना तथा शांति सुनिश्चित करता है।"

चूंकि भारत में लगभग 1000 वर्षों तक अरब के आक्रांताओं एवं अंग्रेजों का शासन चलता रहा अतः उस खंडकाल में भारतीय जनमानस को अपनी महान संस्कृति का विस्मृति लोप हो गया था। उक्त प्रस्ताव में इस विचार को आगे बढ़ाते हुए कहा गया है कि "काल के प्रवाह में राष्ट्र जीवन में आए अनेक दोषों को दूर कर एक संगठित, चारित्र्य सम्पन्न और सामर्थ्यवान राष्ट्र के रूप में भारत को परम वैभव तक ले जाने हेतु परम पूजनीय डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार ने वर्ष 1925 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का कार्य प्रारम्भ किया। संघकार्य का बीजारोपण करते हुए, डॉक्टर हेडगेवार ने दैनिक शाखा के रूप में व्यक्ति निर्माण की एक अनूठी कार्यपद्धति विकसित की, जो हमारी सनातन परम्पराओं व मूल्यों के परिप्रेक्ष्य में राष्ट्र निर्माण का निःस्वार्थ तप बन गया। उनके जीवनकाल में ही इस कार्य का एक राष्ट्रव्यापी स्वरूप विकसित हो गया।

द्वितीय सर संघचालक पूजनीय श्री गुरूजी (माधव सदाशिव गोलवलकर) के दूरदर्शी नेतृत्व में राष्ट्रीय जीवन के विविध क्षेत्रों में शाश्वत चिंतन के प्रकाश में कालसुसंगत युगानुकूल रचनाओं के निर्माण की प्रक्रिया प्रारम्भ हुई। 100 वर्ष की इस यात्रा में संघ ने दैनिक शाखा द्वारा अर्जित संस्कारों से समाज का अटूट विश्वास और स्नेह प्राप्त किया। इस काल खंड में संघ के स्वयंसेवकों ने प्रेम और आत्मीयता के बल पर मान अपमान और राग द्वेष से ऊपर उठ कर सबको साथ लेकर चलने का प्रयास किया।"

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का यह भी मानना है कि धर्म के अधिष्ठान पर आत्मविश्वास से परिपूर्ण संगठित सामूहिक जीवन के आधार पर ही हिंदू समाज अपने वैश्विक दायित्व का निर्वाह प्रभावी रूप से कर सकेगा। अतः हम सभी भारतवासियों का कर्त्तव्य है कि सभी प्रकार के भेदों को नकारने वाला समरसता युक्त आचरण, पर्यावरण पूरक जीवन शैली पर आधारित मूल्याधिष्ठित परिवार, स्वबोध से ओतप्रोत और नागरिक कर्तव्यों के लिए प्रतिबद्ध समाज का चित्र खड़ा करने के लिए हम समस्त भारतीय संकल्प लें। इसके आधार पर ही समाज के समस्त प्रश्नों का समाधान, चुनौतियों का उत्तर देते हुए भौतिक समृद्धि एवं आध्यात्मिकता से परिपूर्ण समर्थ राष्ट्र जीवन खड़ा किया जा सकेगा। इसी कारण से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा ने सज्जन शक्ति के नेतृत्व में सम्पूर्ण समाज को साथ लेकर विश्व के सम्मुख उदाहरण प्रस्तुत करने वाला समरस और संगठित भारत का निर्माण करने हेतु संकल्प लिया है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के समस्त हिंदू समाज को एक करने के प्रयास भारत में तो सफल होते हुए दिखाई दे रहे हैं और इसका स्पष्ट सकारात्मक प्रभाव विभिन्न क्षेत्रों में पूरे देश में दिखाई भी दे रहा है। आर्थिक प्रगति की गति तेज हुई है, समस्त समाज के बीच सामाजिक समरसता का भाव जागृत हो रहा है, देश के नागरिकों विशेष रूप से युवाओं में पर्यावरण के प्रति सजगता बढ़ रही है, एक बार पुनः भारतीय समाज संयुक्त परिवार के प्रति आकर्षित हो रहा है– बल्कि, विश्व के अन्य कई देशों के नागरिकों में भी संयुक्त परिवार के विभिन्न प्रकार के लाभों की ओर ध्यान आकर्षित हो रहा है, स्वदेशी का भाव जागृत हो रहा है और नागरिकों में देश के प्रति अपने कर्तव्यों के भाव का जागरण हो रहा है।

इन्हीं समस्त बिंदुओं को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पंच परिवर्तन (सामाजिक समरसता स्थापित करना, स्वबोध के भाव का जागरण, पर्यावरण पर ध्यान देना, नागरिक कर्तव्यों का बोध, कुटुंब प्रबोधन को बढ़ावा देना) के रूप में पिछले कुछ समय से समाज के बीच में ले जा रहा है। और, समाज को इन बिंदुओं पर जागृत करने का कार्य स्वयंसेवकों द्वारा सफलता पूर्वक किया जा रहा है। आगे आने वाले समय में इन बिंदुओं पर समाज के बीच कार्य को और भी गति दी जाएगी, ऐसी आशा की जा रही है।

विचार विण्डो

बांग्लादेश के बदलते सुरों को गंभीरता से लेना होगा

ललित गर्ग

बांग्लादेश में शेख हसीना के तख्तापलट के बाद वहां की अंतरिम सरकार का नेतृत्व कर रहे मोहम्मद यूनुस भले ही नोबेल पुरस्कार से सम्मानित हो, लेकिन उनकी सोच एवं कार्य–पद्धति में कट्टरवाद एवं भारत–विरोधी मानसिकता है।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने भारत और बांग्लादेश के संबंधों पर कहा कि हमारे रिश्ते बेहद मजबूत हैं। बस कुछ गलतफहमियां हैं, जिन्हें दूर करने की कोशिश की जा रही है। सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली वाली स्थिति में यूनुस किन रिश्तों के मजबूत होने की बात कर रहे हैं, कैसी गलतफहमियां और किनके द्वारा उत्पन्न गलतफहमियों की बात वे कर रहे हैं? यूनुस के नेतृत्व में बनी अंतरिम सरकार ने भारत से दूरियां बढ़ाने की कोई कसर नहीं छोड़ी, वहां हिन्दुओं एवं हिन्दू मन्दिरों पर कहर बरपाया गया, पाकिस्तान के साथ दोस्ती बढ़ाने की कवायद करते हुए भारत को डराने की कोशिशें हुई, कट्टरपंथी एवं जिहादी ताकतों को सहयोग, समर्थन और संरक्षण दिया गया है, इन सब स्थितियों को उग्र से उग्रतर बनाकर अब यूनुस किन रिश्तों की बात कर रहे हैं, वे क्यों बैंकॉक में आयोजित होने वाले बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात करना चाहते हैं? बांग्लादेश का भारत–विरोधी रवैया दुर्भाग्यपूर्ण ही नहीं, बल्कि विडम्बनापूर्ण बना है। भारत से पंगा बांग्लादेश को कितना महंगा पड़ रहा है, इसका अनुमान बांग्लादेश की बिगड़ती अर्थ–व्यवस्था, शांति–व्यवस्था एवं अराजकता को देखते हुए सहज ही लगाया जा सकता है। इन ज्वलंत होती स्थितियों का सबसे बड़ा कारण भारत से दुश्मनी ही है। बांग्लादेश में अराजकता, हिंसा एवं जर्जर होते हालात को मोहम्मद यूनुस सरकार नियंत्रित नहीं कर पा रही हैं। मुल्क अभी भी भीड़ की हिंसा की उन घटनाओं से उबर नहीं रहा है, जो पिछले अगस्त में शेख हसीना को सत्ता से हटाने वाले आंदोलन के बाद शुरू हुई थी। यूनुस से क्षेत्र में शांति व सद्भाव की जो उम्मीदें थी, उसमें उन्होंने मुस्लिम कट्टरपंथ को आगे करके निराश ही किया है। उनकी सरकार लगातार विघटनकारी, अड़ियल व बदमिजाजी का रुख अपनाए हुए है। यदि भारतीय प्रधानमंत्री बैंकाक में यूनुस से वार्तालाप करते हैं तो उन्हें उनके इरादों को लेकर सतर्क एवं सावधान रहना चाहिए।

भारत प्रारंभ से बांग्लादेश का सहयोगी एवं हितैषी रहा है, इसी कारण उसने पिछले डेढ़ दशकों में जो आर्थिक तरक्की हासिल की, छह फीसदी से अधिक दर से जीडीपी को बढ़ाया और 2026 तक विकासशील देशों के समूह में शामिल होने का सपना देखा, उन सब पर मोहम्मद यूनुस की अगुवाई वाली अंतरिम सरकार के संकीर्णतावादी एवं दुराग्रही सोच के कारण काली छाया मंडराने लगी है। बांग्लादेश में भारत विरोधी वातावरण तैयार किया जा गया, वहां हिंदुओं एवं अन्य अल्पसंख्यकों पर हमले की घटनाओं पर भारत की तमाम चिंताओं के बावजूद गंभीरता नहीं दिखाई गयी और अल्पसंख्यक हिन्दुओं के दमन को रोकने के लिए वांछित कदम उठाने से इनकार किया गया है। इन सब स्थितियों के कारण आज वहां कानून–व्यवस्था के सामने समस्या पैदा हो गई है, बांग्ला राष्ट्रवाद की वकालत करने वालों पर खतरा मंडराने लगा है, प्रगतिशील मुस्लिमों एवं अल्पसंख्यकों पर हमले हो रहे हैं और बंगबंधु व मुक्ति संग्राम के इतिहास को मिटाने का प्रयास हो रहा है। बांग्लादेश की यह गति इसलिए हुई है, क्योंकि मोहम्मद यूनुस सरकार आम जन की अपेक्षाओं के अनुरूप चुनौतियों से लड़ पाने में नाकाम रहे हैं और भारत से टकराव मोल लेकर उन्होंने अपने पांवों पर खुद कुल्हाड़ी चलाई है। बांग्लादेश के हुक्मरानों और विशेषतः यूनुस सरकार ने विवाद के नये–नये मुद्दे तलाश कर दोनों देशों के आपसी संबंधों को नेस्तनाबूद किया हैं। आज वहां सांविधानिक, राजनीतिक वैधता का संकट तो गहराया ही है लेकिन लोकतांत्रिक मूल्य भी धुंधला रहे हैं।

बांग्लादेश में शेख हसीना के तख्तापलट के बाद वहां की अंतरिम सरकार का नेतृत्व कर रहे मोहम्मद यूनुस भले ही नोबेल पुरस्कार से सम्मानित हो, लेकिन उनकी सोच एवं कार्य–पद्धति में कट्टरवाद एवं भारत–विरोधी मानसिकता है। भले ही वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से वार्ता करके भारत से दोस्ती का नाटक करें। लेकिन उनके इरादों पर भरोसा नहीं किया जा सकता, क्योंकि हाथी के दांत खाने के और दिखाने के और है। चीन के खासे प्रभाव में आकर बांग्लादेश उसका सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। उसने वहां महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को वित्त पोषित किया है और वह बांग्लादेशी सेना के हथियारों का प्रमुख आपूर्तिकर्ता है। चीन ने ऐतिहासिक रूप से दक्षिण एशिया में भारतीय प्रभाव का मुकाबला करने के लिए पाकिस्तान को एक रणनीतिक साझेदार के रूप में इस्तेमाल किया है और वह इस्लामाबाद की मदद से बांग्लादेश में भी अपना प्रभाव बढ़ाने का अवसर नहीं छोड़ रहा है। पाकिस्तान को अतिश्योक्तिपूर्ण ढंग से अपने आंतरिक मामलों में जगह दे देकर बांग्लादेश ने खुद खतरा मौल लिया है। पाकिस्तान भारत के उत्तर–पूर्वी भाग में अलगाववाद को बढ़ावा देने के लिए बांग्लादेश का उपयोग करता है। वह आतंकवादियों की घुसपैठ के लिए भी बांग्लादेश का उपयोग करता है। इसी के चलते अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में यूनुस ने कई कट्टरपंथी संगठनों से प्रतिबंध हटाया है और आतंकी गतिविधियों के लिए आरोपित नेताओं को जेल से रिहा भी किया है। भारत को इसकी भी अनदेखी नहीं करना चाहिए कि बांग्लादेश में पाकिस्तान के दखल का मुख्य ध्येय भारत को कमजोर एवं अशांत करना ही है। यूनुस का कार्य व्यवहार चिंतित करने वाला है। वह यथाशीघ्र चुनाव कराने में रुचि दिखाने के बजाय ऐसे एजेंडे अपने हाथ में ले रहे हैं, जिससे लंबे समय तक सत्ता में बना रहा जाए।

अब तो बांग्लादेश की सेना भी यूनुस के रवैये को लेकर सशंकित दिख रही है। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के विरुद्ध जिन छात्रों के विद्रोह के चलते यूनुस बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख बने, उन छात्रों ने पिछले दिनों नेशनल सिटिजंस पार्टी नाम से अपना अलग दल गठित कर लिया और यह आरोप भी लगाया कि सेना शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग को फिर से सत्ता में लाने की साजिश रच रही है। यह चकित करने वाला घटनाक्रम है। इसलिए और भी, क्योंकि बांग्लादेश की सेना ने इस पार्टी के आरोपों को हास्यास्पद और निराधार करार दिया। भारत को बांग्लादेश के घटनाक्रम पर इसलिए निगाह रखनी होगी, क्योंकि माना जा रहा है कि छात्रों की इस नई पार्टी के गठन के पीछे यूनुस का ही हाथ है। बांग्लादेश में आंतरिक स्थिति जटिल से जटिलतर होती जा रहा है, स्थितियां विकराल हो रही है, आम जनता पर दुःखों, परेशानियों एवं समस्याओं के पहाड़ टूटने लगे हैं। वहां जैसी आंतरिक गुटबाजी, प्रशासनिक शिथिलताएं, अराजकताएं और अव्यवस्थाएं बढ़ रही हैं, उसे देखते हुए सेना प्रमुख जनरल वकार उज–जमां ने सेना की भूमिका बढ़ाने की बात कही है। उनका संकेत साफ है, यदि अंतरिम सरकार हालात को संभाल पाने में नाकाम रहती है, तो सेना मोर्चा संभालने को तैयार है।

भारत के सहयोग से हसीना के नेतृत्व में बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही थी और वह जीडीपी वृद्धि कर रहा था। लेकिन उनके तख्तापलट के बाद से विकास में तेजी से गिरावट आई है और देश मंदी की ओर बढ़ रहा है। विश्व बैंक और आईएमएफ का कहना है कि हसीना के सत्ता से हटने के बाद से बांग्लादेश की विकास–दर आधी हो गई है और उसका कपड़ा उद्योग–जो उसके विकास का आधार था–बेरोजगारी से बुरी तरह प्रभावित हुआ है। लेकिन अंतरिम सरकार मौजूदा स्थिति के लिए हसीना सरकार को दोषी ठहराती है, यह बांग्लादेश की आंतरिक राजनीति है। लेकिन यह तय है कि बांग्लादेश और पाकिस्तान की बढ़ती नजदीकियां, बांग्लादेश का भारत विरोध और पाकिस्तान प्रेम इस मुल्क पर भारी पड़ रहा है। भले ही 54 सालों में पहली बार बांग्लादेश और पाकिस्तान सीधा कारोबार शुरू हुआ है। देखने वाली बात यह भी है कि पाकिस्तान और भारत के बीच संबंध सामान्य नहीं हैं और व्यापार ठप्प है। ऐसे में इसका असर भारत पर नहीं पाकिस्तान पर जरूर पड़ा है और वहां की जनता त्राहि–त्राहि कर रही है। बांग्लादेश के लिए भारत जो मायने रखता है, उसकी भरपाई पाकिस्तान तो कतई नहीं कर सकता है। जिस बांग्लादेश को पाकिस्तानी क्रूरता से मुक्त कराकर एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में भारत ने तमाम कुर्बानियों के बाद जन्म दिया, वही बांग्लादेश क्या सोचकर भारत से दूरियां बढ़ाई? अब अपनी गलती का अहसास करते हुए वह भारत से दोस्ती चाहता है तो भारत को सतर्कता, सावधानी, दूरगामी सोच, कूटनीतिक सोच से कदम उठाने चाहिए।

गर्मी से करें शरीर का बचाव, न बरतें लापरवाही

डिहाइड्रेशन से बचना है तो पानी में मिलाकर पिएं ये चीजें

यूनिक समय, मथुरा। नॉर्मल पानी में भरपूर मात्रा में मिनरल्स, न्यूट्रिशन मौजूद होता है और ये नेचुरली हमारे शरीर में तत्वों की कमी को पूरा करते हैं, हालांकि दूषित पानी के चलते आजकल घर–घर में वॉटर फिल्टर का इस्तेमाल कर रहे हैं। ये हमें कई बीमारियों से बचाते तो हैं, लेकिन इनकी वजह से पानी के नेचुरल मिनरल्स गायब हो जाते हैं। ऐसे में शरीर में पानी को सोखने की क्षमता भी घट जाती है और ये आसानी से पसीना और पेशाब के रूप में शरीर के बाहर निकल जाते हैं।

गर्मी में खासतौर पर शरीर तेजी से डिहाइड्रेट होता है, ऐसे में हमने जानी मानी न्यूट्रिशनिस्ट कविता देवगन से बात इसे लेकर बात की। आइए जानते हैं उनके गर्मी से बचाव के आसान सुझाव।

बेहतर हाइड्रेशन के लिए इस तरह पिएं पानी

न्यूट्रिशनिस्ट कविता देवगन बताती हैं कि आरओ फिल्टर के बिना पानी का सेवन हमारे लिए सेफ नहीं रह गया है, लेकिन यह भी सच है कि इस प्रक्रिया में पानी के कई नेचुरल मिनरल्स छन जाते हैं, जो हमारे लिए जरूरी हैं। हालांकि यह अच्छी बात है कि आप इन मिनरल्स की कमी को भोजन के माध्यम से पूरा कर सकते हैं। यहां हम बता रहे हैं कि आप गर्मियों में शरीर में पानी के बेहतर एब्जॉर्प्शन को बढ़ाए रखने के लिए क्या कर सकते हैं और लू लगने और डीहाइड्रेशन से बच सकते हैं।

खीरा और मिंट

आप एक बोतल में पानी भर लें और इसमें खीरा के कुछ टुकड़े व मिंट की कुछ पत्तियों को डालकर छोड़ दें। आप दिनभर इसका सेवन करें। ये आपको हाइड्रेट रखने में काफी मदद करेगा।

नींबू

नींबू का इस्तेमाल भी गर्मी के मौसम में आपको जरूर करना चाहिए। अगर आप नमक की बजाय नींबू को पानी में मिलाकर पियें तो यह सेहत को अधिक फायदा पहुंचाएगा।

खासतौर पर जिन लोगों को नमक कम खाने की हिदायत दी जाती है वे नींबू पानी का खूब सेवन करें। यह शरीर को डीटॉक्स करने और इम्यूनिटी बढ़ाने में भी मदद करता है।

पार्सले

आप एक जग पानी में कुछ पत्तियां पार्सले की डालें और उसे उबाल लें। इसे ठंडाकर आप अपने बोतल में रखें और इस पानी का सेवन करें। यह आपको दिनभर एनर्जी देने का काम करेगा। आप इसमें मिंट की पत्तियां भी डाल सकते हैं।

सौंफ आजवाइन

आप एक जग में एक चम्मच सौंफ और एक चम्मच आजवाइन डालें और इसे अच्छी तरह उबालकर ठंडा कर लें। यह गर्मी में आपको लू लगने और पेट में गैस बनने की समस्या से भी बचाएगा।

चीया सीड

अगर आप पानी में चीया सीड मिलाकर इसका सेवन करें तो ये शरीर को बेहतर तरीके से हाइड्रेट करने में मदद करता है और यह शरीर में प्रोटीन की कमी को भी दूर करता है। इस तरह आप रोज सुबह इसका सेवन कर सकते हैं।

आटे में लग जाते हैं कीड़े तो इस तरीके से करें स्टोर

यूनिक समय, मथुरा। नमी के कारण आटे में छोटे–छोटे कीड़े हो जाते हैं। इसलिए आटे को स्टोर करते समय कुछ खास बातों का ख्याल रखना जरूरी होता है। नीचे बताए गए आसान ट्रिक्स के माध्यम से आप कई महीनों तक आटे को फ्रेश व स्टोर कर सकते हैं।

अधिकतर लोग प्लास्टिक के डिब्बे या बोरे में आटे को स्टोर करते हैं। लेकिन यह लंबे समय तक आटा स्टोर करने के लिए सही नहीं है। इस तरह से आटे को रखने पर उसमें नमी आ जाती है। साथ ही यह जल्दी खराब होने लगता है। आटे को लंबे समय तक एल्यूमीनियम या स्टील के कंटेनर में स्टोर करना चाहिए। आटे को स्टोर करने से पहले इसको थोड़ी देर के लिए धूप जरूर दिखानी चाहिए।

आटे से कीड़ों को दूर रखने के लिए नमक बेहतरीन काम करता है। आटे की मात्रा के अनुसार उसमें 1 या 2 चम्मच नमक मिलाकर इसको कंटेनर में स्टोर करना चाहिए। इससे स्टोर किया हुआ आटा महीनों फ्रेश रहता है। अगर आप आटे को लंबे समय तक फ्रेश रखने के लिए उसमें नमक नहीं मिलाना चाहते हैं तो इसकी जगह पर आप तेज पत्तों का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। जैसा कि आप सभी को पता है कि तेज पत्तों की स्मेल काफी स्ट्रांग होती है। जिसके कारण आटे में कीड़े नहीं पड़ते हैं। जिस भी कंटेनर में आप आटे को स्टोर कर रहे हैं, उसमें 5–6 तेज पत्ते डालकर रख दीजिए। इससे आपका आटा लंबे समय तक फ्रेश बना रहेगा। फ्रिज में आटे को लंबे समय तक स्टोर नहीं किया जा सकता है।

लेकिन फिर भी आप आटे को कीड़े से बचाने व फ्रेश रखने के लिए फ्रीज का उपयोग कर सकती हैं। फ्रिज में आटे को एक एयर टाइट प्लास्टिक बैग में करके रखें। इस बात का ध्यान रखें कि उसमें नमी न पहुंचे। क्योंकि नमी पहुंचने पर यह खराब हो सकता है।

नवरात्रि पर मीट की दुकान बंद करने के आदेश का स्वागत

यूनिक समय, मथुरा। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने नवरात्रि के दिनों में समूचे प्रदेश में मीट की दुकान बंद रखने के आदेश का जिले के हिन्दूवादियों व सनातन प्रेमियों ने स्वागत किया है। हिन्दूवादी दिनेश फलाहारी ने नवरात्र के प्रारंभ होने से पहले नवरात्र में मीट की दुकान बंद रखने के निर्णय का स्वागत किया। उन्होंने कहा है कि यह ऐतिहासिक आदेश देकर मुख्यमंत्री ने हिंदुओं की भावना को समझा है।

शासन के आदेश पर पुलिस ने बंद कराई मीट की दुकानें

यूनिक समय, कोसीकलां। रविवार से चैत्र नवरात्र शुरू हो गए हैं। शासन स्तर से प्रदेश भर में मीट की बिक्री पर पाबंदी लगाने की घोषणा कर दी गई। जिसके बाद पुलिस प्रशासन हरकत में आ गया। नगर पालिका प्रशासन ने शहर में मीट की दुकानों को बंद कराया गया। पालिका ने शासन के आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी जारी की है। पालिका का यह आदेश रामनवमी तक लागू रहेगा। इसको लेकर पालिका प्रशासन ने एडवाइजरी जारी की है। उधर पुलिस प्रशासन ने नगरीय और देहात क्षेत्र में पाबंदी को लागू कराने की कवायद शुरू कर दी है। बताते चलें कि शहर में जगह–जगह मीट बिक्री की दुकानें खुली हुई हैं। जब तब इन पर नियमों का उल्लंघन होते देखा गया है। पुलिस प्रशासन इस मुद्दे पर कोई भी विवाद नहीं चाहती। जिसके चलते आदेश को सख्ती से पालन कराए जाने पर बल दिया जा रहा है।

डॉक्टर से जानें इसके फायदे और नुकसान

रोटी में घी लगाकर खाना चाहिए या नहीं?

यूनिक समय, मथुरा। पहले के जमाने में घी के बिना रोटी खाई नहीं जाती थी। भारत में सदियों से घी का भरपूर इस्तेमाल किया जाता रहा है। जब दाल के साथ घी लगी रोटी खाई जाती थी तो इससे बेहद खूबसूरत सुगंध भी आती थी। इससे मन भी प्रसन्न हो जाता था। हालांकि आधुनिक युग में कई अन्य तरह की चीजों ने धीरे–धीरे घी का चलन कम कर दिया है। पहले घी शुद्ध होता था, आजकल घी में मिलावट भी ज्यादा हो गया है। लोगों ने घी का इस्तेमाल क्यों कम कर दिया, इसका कोई ठोस जवाब तो नहीं मिल सकता है लेकिन अब लोगों के मन में यह उत्सुकता जरूर रहती है कि क्या घी का सेवन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है।

एक्सपर्ट का मानना है कि यदि आप घी का इस्तेमाल चपाती में थोड़ी मात्रा में करते हैं तो इससे कोई नुकसान नहीं होगा बल्कि इसके कई फायदे होंगे। कुछ लोगों को घी का सीमित मात्रा में इस्तेमाल करने से फायदा हो सकता है जबकि ज्यादा मात्रा में खाने से नुकसान भी हो सकता है। इसलिए यह जानना जरूरी है कि घी किसे नुकसान करता है और किसे फायदा पहुंचाता है।

किसे नहीं होगा नुकसान

मैक्स नानावटी अस्पताल मुंबई में सीनियर डायटीशियन डॉ. रसिका माथुर कहती हैं कि हर इंसान की बॉडी की क्षमता अलग–अलग तरह की है। किसके लिए घी फायदेमंद है किसके लिए नुकसानदेह, इसके लिए यह जानना जरूरी है कि व्यक्ति की हेल्थ कैसी है।

अगर व्यक्ति की हेल्थ पहले से कमजोर है तो उसे घी फायदा नहीं पहुंचाएगा। दूसरी ओर हेल्दी इंसान अगर कम मात्रा में घी खाएं तो उसे कोई नुकसान नहीं होगा। ऐसे में अगर कोई घी को चपाती में लगाकर खाता है तो उसे कोई नुकसान नहीं होगा।

क्या वजन कम करता है

डॉ. रसिका माथुर ने बताया कि जो लोग वजन कम करना चाहते हैं उन्हें घी मदद करता है या नहीं, एलोपैथ में इसका कोई जिक्र नहीं है।

कुछ मान्यताओं में माना जाता है कि वजन कम करने में घी का कम मात्रा में सेवन फायदेमंद हो सकता है। सुबह में अगर घी लगी चपाती खा लिया जाए तो दिन भर भूख नहीं लगती। यानी यह वजन को कंट्रोल करने में सहायक है। घी जब चपाती में लगाया जाता है तो इससे इसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स और कम हो जाता है। यानी इससे डायबिटीज का जोखिम भी कम हो जाएगा। घी हेल्दी कोलेस्ट्रॉल को भी बढ़ाने में मदद कर सकता है।

नुकसान क्या है

डॉ. रसिका माथुर ने कहा कि घी का ज्यादा मात्रा में सेवन नुकसान भी पहुंचा सकता है। जो लोग हार्ट के मरीज हैं या जिनका कोलेस्ट्रॉल बढ़ा हुआ है, वह अगर ज्यादा घी का सेवन करें तो इससे ज्यादा नुकसान हो सकता है।

दूसरी ओर जब आप घी को बहुत अधिक तापमान पर रखेंगे तो इसकी संरचना में बदलाव हो जाएगी, जिससे शरीर में फ्री रेडिकल्स बनेंगे। फ्री रेडिकल्स का बनना मतलब कई बीमारियों का घर। इसलिए एक–दो चम्मच से ज्यादा घी सही नहीं है।

कार्यालय जिला समाज कल्याण अधिकारी, मथुरा

पत्रांक: 4407/स.क./प्रेस विज्ञप्ति/2024-25 दिनांक 29.03.2025

माता–पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण–पोषण तथा कल्याण अधिनियम–2007 एवं उत्तर प्रदेश माता–पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण पोषण तथा कल्याण नियमावली–2014

- नियमावली के अन्तर्गत वरिष्ठ नागरिकों के हितों के संरक्षण हेतु तहसील स्तर पर उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में भरण पोषण अधिकरण गठित किया गया है तथा जनपद स्तर पर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में अपीलीय अधिकरण का गठन किया गया है।
- जनपद में निराश्रित/जरूरतमंद वरिष्ठ नागरिकों के लिये नियमावली के अन्तर्गत लक्षिता गार्डन, नगला खूबी, विकास खण्ड बल्देव, तहसील महावन में स्वैच्छिक संस्थान के माध्यम से समाज कल्याण विभाग द्वारा वृद्धाश्रम संचालित हैं।

वृद्धाश्रम में मिलने वाली निःशुल्क सुविधाएं

- आवास, भोजन इत्यादि की सुविधा।
- राज्य सरकार द्वारा नियत मापदण्ड के अनुसार पोषक एवं स्वास्थ्य वर्धक आहार, स्वच्छ पेयजल की सुविधा।
- स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से माह में कम से कमल एक बार स्वास्थ्य परीक्षण की सुविधा।
- मनोरंजन हेतु इनडोर गेम की सुविधा।
- आध्यात्मिक ज्ञान के लिये धार्मिक एवं साहित्यिक पुस्तकों से परिपूर्ण मिनी लाइब्रेरी की सुविधा।
- त्यौहारों के मौके पर सांस्तिक कार्यक्रमों का आयोजन।
- वृद्धजनों को समय-समय पर हेरिटेज एवं धार्मिक स्थलों पर भ्रमण कराने की सुविधा।
- अधिक जानकारी के लिये कार्यालय जिला समाज कल्याण अधिकारी, कार्यालय कक्ष सं.-02 राजीव भवन, मथुरा/आवासीय वृद्धाश्रम-लक्षिता गार्डन, नगला खूबी विकास खण्ड-बल्देव, मथुरा पर सम्पर्क करें।

जिला प्रशासन, जनपद मथुरा

सुविचार

सत्य केवल उनके लिए ही कड़वा होता है जो लोग झूठ में रहने के आदि हो चुके हो।

कल का पंचांग

तिथि	द्वितीया 12:49-09:11 तक	पक्ष	शुक्ल
नक्षत्र	अश्विनी 04:35-01:45 तक	माह	चैत्र
सूर्योदय	6:14 AM	चन्द्रोदय	07:12 AM
सूर्यास्त	6:32 PM	चंद्रास्त	08:56 PM
सूर्य राशि	मीन राशि	चंद्र	मेष राशि
शुभ मुहूर्त अभिजीत	11:59 AM –12:48 PM	ब्रहम् मुहूर्त	04:42-05:30
त्योहार/व्रत	चैत्र नवरात्रि	विक्रम संवत्	2082
राहुकाल	07:46AM–09:19AM	वार	सोमवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

हाथ की किस उंगली में धारण करें चांदी का छल्ला?

अपार होगा धन लाभ, जीवन में घुल जाएगी मिठास

यूनिक समय, मथुरा। भौतिक सुख–सुविधाओं को पाने के लिए हर व्यक्ति कड़ी मेहनत और परिश्रम करता है, लेकिन कई बार हमारे द्वारा किया गया परिश्रम हमें फल नहीं देता। कई बार हमें लगता है, कि हमारा भाग्य साथ नहीं दे रहा।

चांदी का छल्ला आपकी परेशानियों को हल कर सकता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार अलग–अलग धातुओं और रत्नों से जुड़ी अंगूठियां हमारे जीवन में अनेकों प्रकार से प्रभाव डालती हैं। ज्योतिष शास्त्र में इन धातुओं और रत्नों का नाता नौ ग्रहों के साथ बताया जाता है। चांदी का छल्ला भी इन्हीं महत्वपूर्ण धातुओं में से एक है। ज्योतिष पं. अजय कुमार तैलंग बता रहे हैं, चांदी का छल्ला पहनने के फायदे।

शुक्र और चंद्रमा से है चांदी के छल्ले का संबंध

सोने चांदी के आभूषण महिलाओं की खूबसूरती में चार चांद लगाते हैं। ज्योतिष शास्त्र मानता है, कि सोने चांदी से बने यह आभूषण कुंडली के ग्रह–नक्षत्रों पर भी असर डालते हैं। सोने का संबंध गुरु ग्रह से है। तो चांदी का संबंध शुक्र और चंद्रमा के साथ माना जाता है। मान्यताओं के अनुसार चांदी भगवान शिव के नेत्रों से उत्पन्न हुई है, इसलिए जहां चांदी होती है, वहां धन वैभव और संपन्नता आती है। इसके अलावा कुछ राशियां ऐसी हैं, जिनके जातकों को चांदी का छल्ला धारण करना बहुत लाभप्रद होता है।

इस तरह धारण करें चांदी का छल्ला

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार चांदी का छल्ला धारण करने के लिए इसे बिना जोड़ का बनवाना चाहिए। चांदी के छल्ले को अंगूठे में धारण किया जा सकता है।

महिलाओं को इसे बाएं हाथ में और पुरुषों को दाएं हाथ में धारण करना शुभ होता है।

मान्यता है कि चांदी का छल्ला चंद्रमा का कारक है। इसे धारण करने से सूर्य और शनि की स्थिति कुंडली में मजबूत होती है।

साथ ही इससे भाग्य भी मजबूत होता है। इसके अलावा चांदी का छल्ला धारण करने से राहु ग्रह दोष से भी मुक्ति मिलती है, और मन शांत रहता है।

चांदी का छल्ला कर्क, वृश्चिक और मीन राशि वालों के लिए धारण करना अत्यंत शुभ माना जाता है। वृषभ और तुला राशि के जातक भी चांदी का छल्ला धारण कर सकते हैं। इसके अलावा मेष सिंह और धनु राशि के जातकों को गलती से भी चांदी का

शनि अमावस्या पर शनिदेव की पूजा करने उमड़े श्रद्धालु

शनि अमावस्या पर भरतपुर रोड पर ग्राम मुड़ैसी स्थित श्री सिद्ध शनि देव मंदिर में शनिदेव की शिला पर पूजा करते महामंडलेश्वर स्वामी विजयानंद सरस्वती महाराज के साथ अन्य लोग।

यूनिक समय, मथुरा। नए वर्ष की सबसे बड़ी शनिचरी अमावस्या पर भरतपुर रोड के ग्राम मुड़ैसी स्थित श्री सिद्ध शनि देव मंदिर में 251 किलो सरसों तेल से शनिदेव की शिला का अभिषेक किया गया। महामंडलेश्वर स्वामी विजयानंद सरस्वती ने बताया कि जब 251 किलो ग्राम तेल से अभिषेक हो रहा था। सभी में अभिषेक करने की होड़ मची थी। जय कारों से मंदिर गुंजायमान हो रहा था। श्री सिद्ध शनि मंदिर में बड़ी दूर से लोग अपनी मनोकामनाएं लेकर आते हैं। शनि देव सभी की अभिलाषा पूरी करते। कभी निराश नहीं करते। मंगला आरती से ही भक्तों का आना शुरू हो गया। सायं काल मे शनि देव का श्रृंगार कर छप्पन भोग लगाए गए। रात को आरती का भव्य दिव्य आयोजन किया। बड़ी संख्या में भक्तों ने दर्शन किये। नगर निगम के सहायक नगर आयुक्त राकेश त्यागी ने भी विशेष पूजा की। गौरतलब है कि शनि देव भगवान की शिला को शनि सिंगनापुर महाराष्ट्र से पैदल लाया गया था। शनि अमावस्या पर पूजा अर्चना करने वालों में प्रमुख ज्ञानेश अग्रवाल, राकेश अग्रवाल, डॉ. डी पी नागर, विवेक अग्रवाल, देवेंद्र नागर, नवीन अग्रवाल आदि उपस्थित थे। कोसीकलां क्षेत्र के गांव कोकिलावन स्थित शनि देव मंदिर में हजारों की संख्या में भक्तों ने परिक्रमा करने के बाद शनि देव का सरसों के तेल से अभिषेक किया। इसी तरह से मथुरा–वृंदावन के छोटे बड़े शनि देव मंदिरों में देर सायं तक भीड़ लगी रही।

हाथ में नहीं रुकता पैसा तो जरूर करें गरुण पुराण का ये उपाय

यूनिक समय, मथुरा। हिन्दू धर्म में 18 महापुराणों का वर्णन मिलता है। इन सभी महापुराणों का अपना विशेष महत्व होता है। इनमें से महापुराण गरुण पुराण है। मनुष्य के जीवन और उसकी मृत्यु से जुड़ी कई अहम जानकारियां गरुण पुराण में मिलती हैं। इसीलिए कहा जाता है कि गरुड़ पुराण में मिलने वाली जीवन से संबंधित कई अहम बातों का पालन करके व्यक्ति अपने जीवन को खुशहाल बना सकता है। गरुण पुराण में व्यक्ति की आदतों के बारे में भी जिक्र किया गया है। मनुष्य की कई आदतें ऐसी होती हैं, जिन्हें करके वह अपने लिए परेशानियां बढ़ाता है। ऐसी ही एक परेशानी है, धन संबंधी परेशानियां। अगर इन परेशानियों पर गौर किया जाए, तो यही एक ऐसी परेशानी है। जो मनुष्य को खुशहाल बनाती है। हमारे आसपास कई ऐसे लोग होते जिनकी आय तो पर्याप्त होती है, लेकिन उनकी सैलरी या इनकम आते ही कुछ दिनों में पर्स या बैंक बैलेंस निल होते भी देर नहीं लगती। गरुड़ पुराण के अनुसार, यह हाल होना भी मुनष्य की आदत के कारण ही है। ऐसे में अगर आप भी इस समस्या से परेशान हैं, तो गरुण पुराण के कुछ नियमों का पालन कर इन समस्याओं से बच सकते हैं। साथ ही आपकी बचत भी होने लगेगी। गरुड़ पुराण के अनुसार, व्यक्ति को कभी भी अपनी संपत्ति पर अहंकार नहीं करना चाहिए। फिर आपके पास चाहे कितना भी धन क्यों न हो। इसे अपने गर्व का विषय बनाने से बचना चाहिए। इसकी वजह से किसी का अपमान नहीं करना चाहिए। अपनी संपत्ति पर घमंड करने वाले व्यक्ति से मां लक्ष्मी कभी प्रसन्न नहीं होती हैं और उनसे नाराज होकर चली जाती हैं। जिस कारण व्यक्ति मां लक्ष्मी की कृपा का पात्र नहीं रह जाता है। गरुण पुराण में इस बात का जिक्र मिलता है कि यदि आप अपने घर में महाभारत, रामायण और गरुण पुराण आदि का अध्ययन करते हैं। तो आपके घर में सुख–शांति के अलावा समृद्धि का वास होता है। इन पवित्र किताबों के जरिए व्यक्ति भगवान का स्मरण करता है। इसलिए इनका अध्ययन करना चाहिए। गरुड़ पुराण के अनुसार, घर की रसोई में बनने वाले भोजन का सबसे पहला भोग ईश्वर को लगाना चाहिए। यदि पहला भोग भगवान को लगाया जाता है, तो वह प्रसन्न होकर आशीर्वाद देते हैं। इस नियम का पालन करने वाले व्यक्ति के घर में मां लक्ष्मी सदैव वास करती हैं। वहीं भगवान को भोग लगाए बिना यदि आप भोजन करते हैं, तो आप पाप के भागीदार होते हैं। ऐसे में भी मां लक्ष्मी रूठकर चली जाती हैं।

श्रीमती निर्मला रावत को कंबोडिया में मिला सम्मान

यूनिक समय, मथुरा। श्री खंडेलवाल महिला मंडल के पिछले दिनों आयोजित रजत जयंती कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जयपुर से आई श्रीमती निर्मला रावत थी। कंबोडिया में श्रीमती निर्मला रावत को सम्मानित किया। इस अवसर पर महिला मंडल की संयोजक श्रीमती राज खंडेलवाल, संरक्षिका श्रीमती सरिता खंडेलवाल, रजनी खंडेलवाल, मीडिया प्रभारी श्रीमती प्रीति ने उनको बधाई दी। कहा कि मथुरा की सभी महिलाएं उनके इस सम्मान के लिए बहुत ही गर्व महसूस कर रही है कि उन्होंने विदेश की भूमि पर भारत का नाम रोशन किया है।

प्राकृतिक नव यौवन के साथ आता है नवसम्वत्सर: डॉ. कौशिक

यमुना पार में आरएसएस की शाखा के दौरान स्वयं सेवकों को संबोधित करते मथुरा विभाग के प्रचार प्रमुख डॉ. कमल कौशिक।

यूनिक समय, मथुरा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ यमुना पार मथुरा महानगर के वर्ष प्रतिपदा कार्यक्रम में मुख्य वक्ता मथुरा विभाग के प्रचार प्रमुख डॉ. कमल कौशिक ने कहा कि नवसम्वत्सर यानि भारतीय नव वर्ष प्रकृति के नव यौवन के साथ समस्त प्राणियों को नवजीवन प्रदान करता है। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा विक्रमी सम्वत 2082 आज सूर्य की पहली किरण के साथ प्रारम्भ

यमुना पार में आरएसएस शाखा के दौरान मनाया नव वर्ष

हुआ। मंच पर नगर संघचालक वैद्य धर्मपाल और डॉ. कमल कौशिक थे।

मुख्य शिक्षक बृजमोहन, गनगीत दिनेश ने बोला तथा एकल गीत सत्यवीर ने प्रस्तुत किया। संचालन नगर कार्यवाह रणवीर ने किया।

नवसंवत्सर पर यमुना महारानी की महाआरती

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। अखिल भारत उद्योग व्यापार मंडल के तत्वावधान में नव संवत्सर पर्व पर केशीघाट पर मां यमुना पूजन, दीपदान और महाआरती का आयोजन किया।

मुख्य अतिथि प्रदेश उपाध्यक्ष योगेश द्विवेदी और चिराग अग्रवाल ने कहा कि नव संवत्सर हमारी प्राचीन भारतीय संस्कृति, सभ्यता और धर्म परंपराओं का प्रतीक है। इस मौके परमहानगर अध्यक्ष चौधरी साकेत बाबू अग्रवाल, महासचिव दीपक अग्रवाल,

अध्यक्ष पवन ठाकुर, सतीश चौधरी, रासबिहारी अग्रवाल, आलोक अग्रवाल, अर्जुन कुशवाह, प्रमोद सिसौदिया, चैतन्य कृष्ण शर्मा, प्रदेश मंत्री संजय चतुर्वेदी, मुकेश कृष्ण शर्मा, सुंदर सिंह, अमित गौतम एडवोकेट, भगवान दास तथा मुकेश

वृंदावन में प्राचीन केशीघाट पर नव संवत्सर पर्व मां यमुना का पूजन अर्चन करते अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के पदाधिकारी।

उपाध्याय आदि उपस्थित थे।

इससे पहले आचार्य सिद्धार्थ शुक्ला ने मां यमुना का पूजन कर दीपदान व महाआरती की।

विशेष अनुरोध

प्रिय पाठकों आपका अपना यूनिक समय भरपूर कोशिश करता है कि आपके पास दिनभर की चर्चा, परिचर्चा, गतिविधियाँ और नवीनतम खबरें आप तक पहुँचाए, लेकिन फिर भी हमसे त्रुटि रह जाती हैं। आपसे अनुरोध है कि सुधि पाठक होने के नाते आप हमें अवगत कराते रहे, जिससे हम और बेहतर खबरें आपको पढ़ाते रहे। .... धन्यवाद

सार संक्षेप

अब गलती नहीं करेंगे : सीएम नीतीश कुमार

यूनिक समय, नई दिल्ली। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा, "हमने वहां (महागठबंधन) 2 बार जाकर गलती की। अब हमने फैसला किया है कि ऐसा दोबारा कभी नहीं होगा। यह गलत है। मुझे मुख्यमंत्री किसने बनाया? अटल बिहारी वाजपेयी ने मुझे मुख्यमंत्री बनाया था। हम कैसे भूल सकते हैं?"

पीएम मोदी का नागपुर में रोड शो

यूनिक समय, नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नागपुर में रोड शो किया है। इससे पहले पीएम मोदी ने नागपुर में सोलर डिफेंस एंड एयरोस्पेस लिमिटेड द्वारा विकसित नागस्त्र–3 कामिकेज ड्रोन सिस्टम का अवलोकन किया।

बिहार में होगी ऐतिहासिक जीत : चिराग पासवान

यूनिक समय, नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा, "चुनाव का वर्ष है और एनडीए गठबंधन एकजुटता और मजबूती के साथ आगे बढ़ रहा है। कुछ समय पहले दिल्ली में भी एनडीए के तमाम नेताओं की बातचीत हुई थी। आज गृह मंत्री स्वयं बिहार में मौजूद हैं। जहां एक तरफ हमारा गठबंधन मजबूती के साथ आगे बढ़ रहा है तो वहीं दूसरी ओर विपक्ष में जिस तरह वर्चस्व की लड़ाई देखने को मिल रही है, यह दर्शाता है बिखरा हुआ विपक्ष। हम एक ऐतिहासिक जीत की ओर अग्रसर हो रहे हैं।

राष्ट्रपति मुर्मू ने नवरात्रि, गुड़ी–पड़वा की दी शुभकामनाएं

यूनिक समय, नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने ट्वीट कर लिखा, 'सभी देशवासियों को चैत्र शुक्लादि, उगादी, गुड़ी–पड़वा, चेती–चांद, नवरेह और साजिबु–चेरोबा की हार्दिक शुभकामनाएं। वसंत ऋतु तथा नव–वर्ष के आगमन के स्वागत में मनाए जाने वाले ये त्योहार भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता में एकता के प्रतीक हैं। ये त्योहार देशवासियों में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार करते हैं। इस अवसर पर मैं सभी के लिए खुशहाली की मंगल कामना करती हूं।'

जयपुर से चेन्नई जा रही फ्लाइट का टायर फटा, सुरक्षित हुई लैंडिंग

यूनिक समय, नई दिल्ली। जयपुर से चेन्नई आ रहे एक विमान का टायर रविवार सुबह हवाई अड्डे पर उतरने से पहले फट गया और अधिकारियों को इसे आपातकालीन स्थिति में उतारना पड़ा। हवाई अड्डा अधिकारियों ने बताया कि सभी यात्री और चालक दल के सभी सदस्य विमान से सुरक्षित उतर गए। उन्होंने बताया कि विमान के हवाई अड्डे पर उतरने से पहले पायलट को टायर फटने का पता चला और उसने इस बारे में अधिकारियों को सूचित किया।

थाईलैंड में पीड़ितों की मदद में जुटे लोग

यूनिक समय, नई दिल्ली। थाईलैंड शहर में भूकंप आने के बाद लोग पीड़ितों और जरूरतमंदों को भोजन और राहत सामग्री वितरित कर मदद की पेशकश कर रहे हैं।

अलीगढ़ में पुलिस की बर्बरता से डरी महिला ने की आत्महत्या

यूनिक समय, अलीगढ़। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले में पुलिस की बर्बरता के चलते एक महिला ने खुदकुशी कर ली। दादों थाना पुलिस ने 46 वर्षीय लक्ष्मी देवी को बेरहमी से पीटा और जबरन गाड़ी में बैठाकर थाने ले गई। घर लौटने के बाद पुलिस के डर से महिला ने पेड़ से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

घटना 29 मार्च को हुई, जब थाना दादों पुलिस गांव लहरा पहुंची और प्रेमी आरोपी छोटे उर्फ राकेश से जुड़े मामले में उसकी बहन लक्ष्मी देवी को जबरदस्ती थाने ले जाने लगी। जब लक्ष्मी ने जाने से इनकार किया, तो पुलिसकर्मियों ने उसे घसीटकर गाड़ी में बैठाया और बेरहमी से पीटा। रास्ते में

भी उसकी पिटाई जारी रही।

मृतका के बेटे लोकेश ने बताया कि थाने में भी उसकी मां के साथ मारपीट की गई। शाम को ग्राम प्रधान प्रतिनिधि की सुपुर्दगी में पुलिस ने लक्ष्मी और उसके बेटे को रिहा कर दिया, लेकिन अगले दिन सुबह 10 बजे थाने आने का निर्देश दिया।

इस घटना से डरी लक्ष्मी देवी ने घर से 50 मीटर दूर एक पेड़ पर फंदा लगाकर जान दे दी। परिजनों ने घटना के विरोध में हंगामा किया और आरोपी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अमृत जैन और अन्य अधिकारियों ने समझाइश के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

थाना प्रभारी लाइन हाजिर

थाना प्रभारी योगेंद्र सिंह को तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर कर दिया गया और जांच के बाद निलंबन की कार्रवाई का आश्वासन दिया गया। मृतका अपने पीछे पति और तीन बेटों को छोड़ गई। प्रशासन ने पीड़ित परिवार को न्याय और मुआवजा दिलाने का भरोसा दिया है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश तरुण अग्रवाल का निधन

यूनिक समय, प्रयागराज। हाईकोर्ट इलाहाबाद में न्यायाधीश रहे जस्टिस तरुण अग्रवाल का निधन हो गया। उन्होंने मुंबई के एक अस्पताल में अंतिम सांस ली। इलाहाबाद विश्वविद्यालय से स्नातक और लॉ की डिग्री लेने के बाद उन्होंने इलाहाबाद हाईकोर्ट से वकालत शुरू की थी। वह मेघालय हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश भी रहे। इलाहाबाद हाईकोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस तरुण अग्रवाल का रविवार को निधन हो गया। वह 69 वर्ष के थे। मुंबई में हुए हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। सिर में गहरी चोट लगने के चलते उनकी हालत बिगड़ती गई। पिछले कई दिनों से वह वेंटिलेटर पर चल रहे थे। उनके निधन से अधिवक्ताओं और न्यायिक अधिकारियों में शोक की लहर दौड़ गई। न्यायाधीश तरुण अग्रवाल का जन्म तीन मार्च 1956 को इलाहाबाद में हुआ था। इलाहाबाद विश्वविद्यालय से स्नातक और लॉ डिग्री लेने के बाद उन्होंने हाईकोर्ट में 1983 में वकालत शुरू कर दी। वह सात जनवरी 2004 को इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज बने। 2009 से 2012 तक उत्तराखंड हाईकोर्ट के जज रहे। वहां पर कार्यवाहक चीफ जस्टिस के तौर पर भी काम किया। 2012 में इलाहाबाद हाईकोर्ट वापस आ गए थे। उन्हें 12 फरवरी 2018 को मेघालय उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के पद पर पदोन्नत किया गया था। सेवानिवृत्ति के बाद उन्हें भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड द्वारा प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण मुंबई के पीठासीन अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया था।

रामनवमी पर सूर्य की किरणें करेंगी रामलला का अभिषेक

यूनिक समय, अयोध्या। रामनवमी के अवसर पर चार मिनट तक सूर्य की किरणें रामलला का अभिषेक करेंगी। इसरो के वैज्ञानिकों ने रविवार को इसका ट्रायल किया। रामजन्मभूमि परिसर में सूर्य तिलक का ट्रायल हुआ। इसरो के वैज्ञानिक छह अप्रैल को सूर्य की किरण भगवान के मस्तक पर लाने के लिए व्यवस्था कर रहे हैं। बीते वर्ष अस्थायी तौर पर रामलला का सूर्य तिलक हुआ था। अब स्थायी तौर पर वैज्ञानिक मंदिर का निर्माण पूरा होने पर सूर्य तिलक की व्यवस्था कर रहे हैं।

रामलला के जन्मोत्सव के मौके पर भगवान के मस्तक का सूर्य अभिषेक होगा। वैज्ञानिकों ने एक मिनट का ट्रायल किया है। इस दौरान सफलतापूर्वक सूर्य की किरणें रामलला का सूर्य अभिषेक करती नजर आईं। रामनवमी को चार मिनट तक भगवान सूर्य रामलला के मस्तक पर तिलक करेंगे।

वैज्ञानिकों ने किया ट्रायल

हिंदू नववर्ष की पूर्व संध्या पर जहां अयोध्या में विभिन्न मंदिरों से झांकी निकाल कर संत, महंत और भक्तों ने रामकोट की परिक्रमा की तो वहीं हिंदू नववर्ष के पहले सूर्योदय पर वैदिक ब्राह्मण और संतों ने नमन किया। रामनगरी में रविवार को नववर्ष के उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर आरती उतार कर स्वागत किया गया। इसमें सैकड़ों की संख्या में मातृशक्ति, वैदिक बटुक और आरएसएस के कार्यकर्ता शामिल रहे। नववर्ष संवत 2082 के स्वागत में महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी के नेतृत्व में सैकड़ों लोगों ने सरयू के तट पर सरयू जल से अर्घ्य देकर उदीयमान सूर्य की आरती उतारी। नववर्ष के स्वागत के दौरान वैदिक मंत्रोच्चार के बीच सरयू के सुरम्य तट पर खूबसूरत नजारा रहा।

आईआईटी के छात्र ने की आत्महत्या

यूनिक समय, प्रयागराज। प्रयागराज स्थित भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान में एक दुखद घटना सामने आई है। बीटेक प्रथम वर्ष के एक छात्र ने हॉस्टल की चौथी मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। मृतक छात्र की पहचान राहुल मंडला के रूप में हुई है, जो तेलंगाना का निवासी था। बताया जा रहा है कि राहुल मूक–बधिर था और परीक्षा में फेल होने के कारण डिप्रेशन में था।

घटना बीती रात करीब डेढ़ बजे की है जब राहुल चुपके से हॉस्टल की चौथी मंजिल पर गया और वहां से छलांग लगा दी। गिरने के तुरंत बाद ही उसकी मौत हो गई। मामले की

जानकारी सामने आते ही भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान प्रशासन ने जांच के आदेश दिए हैं, लेकिन अब तक इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया गया है। राहुल की आत्महत्या का मामला तब सामने आया जब अन्य छात्रों ने इसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर साझा करना शुरू किया। इससे पहले, इस घटना को दबाने की कोशिश की जा रही थी। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना ने एक बार फिर मानसिक स्वास्थ्य और परीक्षा के दबाव को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। छात्रों पर बढ़ते तनाव और डिप्रेशन से निपटने के लिए शैक्षणिक संस्थानों को उचित परामर्श और सहायता प्रदान करने की जरूरत है। भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान प्रशासन से भी उम्मीद की जा रही है कि वे इस मामले की पूरी जांच करेंगे और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए ठोस कदम उठाएंगे।

डिप्रेशन में चौथी मंजिल से लगाई छलांग

गर्मी का प्रकोप बढ़ा, लू चलने की चेतावनी

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में गर्मी लगातार बढ़ती जा रही है। तापमान में हो रही बढ़ोतरी से जनजीवन प्रभावित हो रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, आगामी दिनों में राज्य के कई हिस्सों में लू चलने की संभावना है। लखनऊ, प्रयागराज, वाराणसी, कानपुर और आगरा समेत कई शहरों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने लोगों को धूप में अधिक देर तक रहने से बचने, हल्के और सूती कपड़े पहनने और पर्याप्त मात्रा में पानी पीने की सलाह दी है। प्रशासन ने भी अलर्ट जारी कर गर्मी से बचाव के उपाय करने की अपील की है। खासतौर पर बुजुर्गों, बच्चों और बीमार लोगों को विशेष सावधानी बरतने की हिदायत दी गई है।

धारदार हथियार से गला रेतकर मां–बेटी की हत्या

यूनिक समय, गोरखपुर। चौरीचौरा में देर रात मनबढ़ बदमाशों ने घर में घुस कर मां की हत्या कर दी। जान से मारने की नीयत से ही बेटी पर भी धारदार हथियार से हमला किया। गंभीर अवस्था में बेटी को परिजनों ने मेडिकल कॉलेज में भर्ती करवाया। इलाज के दौरान बेटी की भी मौत हो गई।

चौरीचौरा के शिवपुर गांव में शनिवार की देर रात करीब 1.45 बजे अज्ञात बदमाशों ने पूनम निषाद (45) पत्नी स्व. रविन्द्र की धारदार हथियार से बेरहमी से हत्या कर दी। उसकी छोटी पुत्री अनुष्का (13) के ऊपर भी जानलेवा हमला किया गया, उसकी हालत गंभीर है और मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है।

महिला की बड़ी बेटी खुशबू

घर में अकेले सोए थे दोनों

(20) ने रात में पुलिस को सूचना दी। खूशबू के मुताबिक उसे बदमाशों ने एक कमरे में बंद कर दिया था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रभारी निरीक्षक राहुल शुक्ला ने बताया कि धारदार हथियार से हमला किया गया है। बीआरडी में इलाज के दैरान मां–बेटी दोनों की मौत हो गई है। फॉरेंसिंक के साथ पुलिस की टीम मौके पर है।

चित्रकूट में 11 करोड़ से बनेगा ईको टूरिज्म पार्क

यूनिक समय, लखनऊ। चित्रकूट में एक ईको टूरिज्म पार्क बनाया जाएगा। इसके लिए सरकार ने 11.77 करोड़ रुपये जारी कर दिए हैं। इसमें ईको लॉज... हट व एम्फीथिएटर के साथ फूड कोर्ट भी बनाया जाएगा।

रामायण सर्किट का महत्वपूर्ण स्थल चित्रकूट, जल्द ही धार्मिक, आध्यात्मिक और प्राकृतिक पर्यटन का प्रमुख केंद्र बनेगा। यूपी ईको टूरिज्म डेवलपमेंट बोर्ड रानीपुर टाइगर रिजर्व के निकट ईको टूरिज्म थीम पार्क का निर्माण करेगा। सात एकड़ में बनने वाले इस पार्क के लिए 11.77 करोड़ रुपये स्वीकृत कर पांच करोड़ जारी भी कर दिए गए हैं। पर्यटन व संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि प्राकृतिक सौंदर्य और पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए एक विशेष थीम पार्क

विकसित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य पर्यटकों को प्रकृति के करीब लाना और ईको–फ्रेंडली पर्यटन को बढ़ावा देना है। इससे क्षेत्र की जैव विविधता सुरक्षित रहेगी। उन्होंने बताया कि पार्क में आधुनिक सुविधाओं से युक्त ईको लॉज बनाया जाएगा।

पौधे का विशेष बगीचा तैयार किया जाएगा। इसके साथ ही स्थानीय और प्रसिद्ध व्यंजनों के लिए विशेष फूड कोर्ट, ईको हट भी बनेंगे। पार्क की जैव विविधता को संरक्षित और समृद्ध करने के लिए सुंदर जलाशय होगा। पर्यटकों के लिए हरियाली से युक्त केंद्रीय लॉन होगा। बच्चों के लिए प्ले एरिया भी बनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस पार्क में नेचर ट्रेल, बांस उद्यान और पैदल भ्रमण के लिए विशेष ट्रैक तैयार किया जाएगा। सांस्कृतिक और मनोरंजन कार्यक्रमों के लिए अत्याधुनिक एंफीथिएटर बनाया जाएगा। पार्क का प्रमुख आकर्षण रॉक गार्डन होगा, जो प्राकृतिक चट्टानों से निर्मित अनोखा उद्यान होगा। पर्यटकों के लिए तितली उद्यान विशेष आकर्षण होगा। जहां विभिन्न प्रजातियों की तितलियों को आकर्षित करने के लिए विशेष क्षेत्र विकसित किया जाएगा। यह पार्क चित्रकूट आने वाले पर्यटकों को आकर्षित करेगा।

यूपी में शराब और नॉनवेज रेस्टोरेंट बंद करने की मांग :आप सांसद

यूनिक समय, लखनऊ। आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सांसद और यूपी प्रभारी संजय सिंह ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि यदि मांस की दुकानों को प्रतिबंधित किया जा रहा है, तो शराब की दुकानों और नॉनवेज रेस्टोरेंट को भी बंद किया जाना चाहिए। उन्होंने प्रेसवार्ता में कहा कि यूपी में अवैध बूचड़खानों को बंद करने और धार्मिक स्थलों के 500 मीटर के दायरे में मांस की बिक्री पर रोक लगाने के फैसले के बाद सरकार को यह प्रतिबंध अन्य दुकानों पर भी लागू करना चाहिए।

उन्होंने आरोप लगाया कि यूपी में मुसलमानों को नमाज पढ़ने से रोका जा रहा है, जबकि दूसरी ओर "सौगात–ए–मोदी" बांटी जा रही है। संजय सिंह ने सवाल उठाया कि अगर धार्मिक स्थलों के पास मांस की दुकानें बंद की जा रही हैं, तो शराब की दुकानें, केएफसी और मैकडोनाल्ड्स जैसे नॉनवेज परोसने वाले रेस्टोरेंट क्यों खुले हैं? उन्होंने सरकार से मांग की कि ऐसे सभी प्रतिष्ठानों को भी बंद किया जाए। इसके अलावा, उन्होंने आरएसएस और प्रधानमंत्री मोदी पर भी सवाल उठाए और आरोप लगाया कि बीजेपी दोहरे मापदंड अपना रही है। उन्होंने दावा किया कि मोदी सरकार के वक्फ बिल को लेकर सहयोगी दलों में असंतोष है, जिससे सरकार को मुश्किलें हो सकती हैं।

ओडिशा में कामाख्या एक्सप्रेस दुर्घटनाग्रस्त

11 डिब्बे पटरी से उतरे सात यात्री घायल

यूनिक समय, नई दिल्ली। ओडिशा के कटक जिले में नेरगुंडी रेलवे स्टेशन के पास एक बड़ी रेल दुर्घटना हुई। बेंगलुरु से असम के कामाख्या स्टेशन जा रही कामाख्या एक्सप्रेस के 11 डिब्बे पटरी से उतर गए। इस हादसे में अब तक 7 यात्रियों के घायल होने की खबर है, जिन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। राहत और बचाव कार्य तेजी से जारी है।

हादसा सुबह 11:54 बजे मंगुली के पास नेरगुंडी में हुआ। अधिकारियों के अनुसार, ट्रेन के एसी डिब्बे पटरी से उतरे हैं। रेलवे और प्रशासनिक अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंच गए। दुर्घटना का कारण अभी स्पष्ट नहीं हुआ है और जांच जारी है। राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल और ओडिशा अग्निशमन सेवा की टीमें बचाव कार्य में जुटी हुई हैं। राहत ट्रेन और आपातकालीन चिकित्सा उपकरण भी भेजे गए हैं। पूर्वी तट रेलवे के अधिकारियों ने तीन ट्रेनों झ्र धौली एक्सप्रेस, नीलाचल एक्सप्रेस और पुरुलिया एक्सप्रेस के मार्ग में बदलाव किया है ताकि रेल यातायात प्रभावित न हो। रेलवे ने यात्रियों और उनके परिजनों के लिए 8455885999 और 8991124238 हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं। प्रशासन यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने की विशेष व्यवस्था कर रहा है। पूर्वी तट रेलवे के सीपीआरओ अशोक कुमार मिश्रा ने बताया कि सभी यात्री सुरक्षित हैं और कोई गंभीर चोट की सूचना नहीं है। रेलवे की प्राथमिकता पटरियों की बहाली और फंसे हुए यात्रियों की सहायता करना है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने घटना पर चिंता जताई और कहा कि असम सरकार ओडिशा सरकार और रेलवे अधिकारियों के संपर्क में है। प्रभावित यात्रियों की हरसंभव मदद की जाएगी।

सुरक्षा बलों को मिली बड़ी सफलता

बीजापुर में 50 नक्सलियों का आत्मसमर्पण

यूनिक समय, नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद के खिलाफ सुरक्षा बलों को एक और बड़ी सफलता मिली है। बीजापुर जिले में रविवार को 50 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया, जिनमें से 14 पर कुल 68 लाख रुपये का इनाम घोषित था। आत्मसमर्पण करने वालों ने राज्य पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के वरिष्ठ अधिकारियों के सामने हथियार डाल दिए।

बीजापुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) जितेंद्र कुमार यादव ने बताया कि नक्सलियों ने माओवादी विचारधारा की अमानवीयता, संगठन के भीतर बढ़ते मतभेदों और आदिवासियों के शोषण से तंग आकर आत्मसमर्पण किया। उन्होंने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सली सरकार द्वारा चलाई जा रही 'निया नेल्लनार' (आपका अच्छा गांव) योजना से भी प्रभावित हुए हैं। इस योजना के तहत प्रशासन और सुरक्षा बल सुदूर इलाकों में बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध करा रहे हैं।

शनिवार को सुरक्षाबलों को एक और बड़ी सफलता मिली जब सुकमा और बीजापुर जिले में दो अलग-अलग मुठभेड़ों में 18 नक्सली मारे गए, जिनमें 11 महिलाएं शामिल थीं। इन अभियानों में जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी), बस्तर फाइटर्स, स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ), सीआरपीएफ और इसकी विशेष इकाई कोबरा (कमांडो बटालियन फॉर रेसोल्यूट एक्शन) की अहम भूमिका रही।

पुलिस के मुताबिक, इस साल अब तक कुल 134 नक्सली मारे जा चुके हैं, जिनमें से 118 केवल बस्तर संभाग में मारे गए। वहीं, 2024 में अब तक बस्तर क्षेत्र में 792 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। सरकार की पुनर्वास नीति के तहत आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को मुख्यधारा में शामिल किया जाएगा।

72 घंटे में चौथी बार थर्राई म्यांमार की धरती

यूनिक समय, नई दिल्ली। म्यांमार की धरती एक बार फिर ताकतवर भूकंप से कांप उठी है। रविवार को म्यांमार के मांडले शहर में 5.1 तीव्रता का बड़ा झटका महसूस किया गया। इससे होने वाले नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

म्यांमा के दूसरे सबसे बड़े शहर मांडले के निकट रविवार को 5.1 तीव्रता का भूकंप आया। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण (यूएसजीएस) ने यह जानकारी दी। यह देश में शुक्रवार को आए विनाशकारी भूकंप के बाद से जारी झटकों की श्रृंखला में ताजा झटका है। शुक्रवार को शहर के पास 7.7 तीव्रता का भूकंप

आया था जिसके कारण कई इमारतें ढह गई थीं और अन्य बुनियादी ढांचों को नुकसान पहुंचा था। भूकंप के कारण अब तक 1,600 से अधिक लोगों की मौत होने और 3,400 से अधिक लोगों के लापता होने की खबर है। यह संख्या बढ़ने की आशंका है।

5.1 तीव्रता के भूकंप से फिर मचा हाहाकार

म्यांमार की धरती 72 घंटे में चौथी बार जोरदार भूकंप के झटकों से हिल गई है। रविवार को म्यांमार के दूसरे सबसे बड़े शहर मांडले के पास काफी ताकतवर भूकंप आया। इससे लोगों में दहशत फैल गई। भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर इस बार 5.1 बताई गई है। बचाव अभियान जारी है।

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित। कार्यालय :- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा। संपादक-पवन गौतम। फोन नंबर-0565-2420150, मो। 9837155888 E-mail : uniquesamaynews@gmail.com website : uniquesamay.com सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा। RNI-UPHIN/2023/85053